डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26

ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अखबार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 18 | अंक 261 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | शुक्रवार 05 जुलाई 2024 | मूल्य 2 रुपया

यातायात पुलिस ने की स्कूल वाहनों की जांच, 13 के बनाए चालान

मंदसौर, 04 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। यातायात थाना पुलिस द्वारा शहर में संचालित हो रहे स्कूल बसों की सघन चेकिंग की गई। इस दौरान बसो का फिटनेस, सीसीटीवी कैमरे जीपीएस सहित सभी आवश्यक उपकरणो की जांच की गई।

चेकिंग अभियान के दौरान वात्सल्य स्कूल, एडीफाई स्कूल, दशपुर विद्यालय, करणी स्कूल, लोटस वैली स्कूल, सेंट थॉमस स्कूल, डेक्सटर स्कूल, शिशुवन, केंद्रीय विद्यालय से चलने वाले प्राइवेट वाहन, आदित्य पब्लिक स्कूल आदि से संचालित समस्त वाहनों की चेकिंग की गई। स्कूल बसों में मुख्य रूप से साइड विंडो ग्रिल, अग्निशमन साधन, बस में शिक्षक के रूप में अटेंडर, जीपीएस डिवाइस, क्षमता से अधिक सवारी बैठाने, बस की फिटनेस तथा अन्य दस्तावेज, ड्राइवर, कंडक्टर के चरित्र सत्यापन से संबंधित दस्तावेज, कलर कोडिंग, स्पीड गवर्नर आदि की जांच की गई।

जांच अधिकारियो के मुताबिक अधिकतर स्कूल प्रशासन द्वारा संचालित वाहनों की स्थिति ठीक पाई गई। दस्तावेजों तथा अन्य कमियो की स्थिति में आवश्यक निर्देश दिए गए। सप्ताह भर में समस्त दुरुस्तीकरण के साथ पेश होने के निर्देश दिए। केंद्रीय विद्यालय तथा सेंट थॉमस स्कूल के लिए संचालित हो रहे ऑटो रिक्शा वाहनों में ओवरलोडिंग तथा अन्य कारणों से कुल 13 वाहनों के शमन शुल्क 11 हजार रुपये के चालान किये गए।

निजी वाहनों की जांच जरूरी...

स्कूल प्रबंधन द्वारा संचालित वाहनो की जांच तो की जा रही है। उनमें अधिकतर सभी सुविधाएं भी मिल रही है। लेकिन, निजी वाहनो की जांच भी की जाना जरुरी है। रिक्शा, मेजिक वाहन सहित अन्य निजी वाहन जो स्कूल से संबद्ध नहीं है। लेकिन, बड़ी संख्या में विद्यार्थियो को स्कूल लाना ले जाना करते है। ऐसे वाहनो की जांच भी जरूरी है। क्योंकि, ऐसे वाहनो में ही बच्चो की संख्या ज्यादा होती है?

बजट ने दिए संकेत...

इस साल भी सिर्फ प्रस्ताव- प्रस्ताव की होगी औपचारिकता!

सरकारी स्कूलों में रहेगी स्थिति जस की तस

मंदसौर, 04 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। सरकारी स्कूलों में लेब, खेल मैदान, भवन, पानी, लाईब्रेरी सहित कई व्यवस्थाओं की दरकार है। प्रस्ताव बनाकर भेजने की औपचारिकता हर साल होती है। इस साल भी प्रस्ताव बनाकर भेजने की रस्म अदायगी ही मानी जाएगी। इसका कारण है कि स्कूल शिक्षा विभाग का बजट सिर्फ 05 प्रतिशत बढ़ाया गया है। मतलब बजट 31 हजार 633 करोड़ से 33 हजार 352 करोड़ किया गया है। 1719 करोड़ बढा है। जबकि सांसद, विधायकों के गोद लिए स्कूलों पर ही फिलहाल फोकस किया जा रहा है। शिक्षकों की कमी को पूरा करने के लिए अतिथि शिक्षकों वाला जुगाड़ इस बार फिर कर लिया गया। लेकिन, अन्य सुविधाओं को जुटाने में फिलहाल सरकार गंभीर नजर नहीं आ रही।

इस साल भी भेजा प्रस्ताव...

मंदसौर जिले के 279 प्राथमिक व माध्यमिक स्कूल ऐसे हैं, जिनमें मरम्मत की आवश्यकता है। इनकी मरम्मत समय पर नहीं हो पाई तो विद्यार्थियों को व स्कूल स्टाफ को परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। इन स्कूलों में 12 हजार से ज्यादा विद्यार्थी पढ़ते हैं। इन पौने तीन सौ से ज्यादा स्कूलों में कहीं स्लैब टूट रह है या छत, फर्श, शौचालय की स्थिति खराब है। इसके अलावा जिले में 8 स्कूल ऐसे हैं जो पूरी तरह से जर्जर हो चुके हैं। इन्हें तोड़ा यानि डिस्मेंटल किया जाएगा। हर साल की तरह इस साल भी जिला शिक्षा केंद्र ने जिले के इन स्कूलों से जानकारी संकलित कर बजट का प्रपोजल भेज दिया है। सभी स्कूलों में करीब 5 करोड 36 लाख रुपए से मरम्मत होने का अनुमान लगाया जा रहा है। किन्तु, बजट में सिर्फ पांच प्रतिशत ही बढोतरी हुई है, तो मतलब साफ है कि इस साल भी इंतजार करना होगा।

सिर्फ 18 खेल शिक्षक, आठ मैदान...

जिले भर के शासकीय स्कूलों में खेल मैदान, संसाधन और खेल शिक्षकों के बिना खेल पीरियड लगाया। जिले के हाई स्कूल और हायर सेकंडरी स्कूलों में सिर्फ 18 खेल शिक्षक और 8 मैदान हैं। शायद यही कारण है कि सरकारी स्कूलों से खेल प्रतिभाएं निकलकर बाहर नहीं आ पा रही है।

नींव में केमिकल लोचा...

भावी इंजीनियरों और डॉक्टरों की नींव कक्षा 11वीं से रखी जाती है। इस नींव को मजबूत बनाने की जिन कांधों पर जवाबदारी है, उनकी उदासीनता के कारण आधे-अधूरे ज्ञान की नींव रखी जा रही है। जिले में करीब 40 से अधिक स्कूल ऐसे है, जहां पर अलग से प्रयोगशाला नहीं है। इन स्कूलों में एक कक्ष में प्रयोग करवाए जा रहे है।

पानी के लिए जुगाड़...

जिले के प्राथमिक और माध्यमिक स्कूलों में स्वच्छ पानी विद्यार्थियों को नहीं मिल रहा है। कुछ समय पहले जिला शिक्षा विभाग ने ही सर्वे कर रिपोर्ट तैयार की थी। जिसमें पता चला था कि जिले के 76 प्राथमिक और माध्यमिक स्कूलों में जुगाड़ कर विद्यार्थियों के पानी की व्यवस्था की जा रही है। कही कुए से तो कही हेडपंप से तो कही होद से पानी पिलाया जा रहा है। जिसकी स्वच्छता की गारंटी नहीं है। अपवाद छोड दे तो कही भी विद्यार्थियों के पानी बर्तन में ना फिटकरी डाली जा रही है और ना ही क्लोरीन की गोलियां।

42 साल से लाइब्रेरियन की भर्ती नहीं...

एक और महत्वपूर्ण बात यह है कि सरकारी स्कूलों में लाईब्रेरी के लिए भी पीरियड लगाने का प्रावधान है। लेकिन, जिले के कई स्कूलों में लाईब्रेरी नहीं है। स्कूलों में करीब 24 साल से लाइब्रेरियन की भर्ती ही नहीं हुई है। वहीं, प्रदेश के करीब 11 हजार स्कूलों में लाइब्रेरी नहीं है। प्रदेश के सरकारी स्कूलों में सभी वर्ग के लिए 1982 में लाइब्रेरियन की भर्ती हुई थी। अभी तक स्कूल शिक्षा विभाग ने पुस्तकालय अधिनियम भी लागू नहीं किया, जबकि प्रारूप तैयार है।

बिजली नहीं, कैमरे कहां से लगवाएंगे...

सरकारी स्कूलों में सुरक्षा को लेकर कैमरे लगवाने के लिए योजना बनी थी। लेकिन, अधिकांश प्रावि और मावि में बिजली कनेक्शन ही नहीं है। कैमरे तो दूर की बात है। यहां बिजली के लिए बजट का प्रावधान नहीं है। स्टॉफ से लेकर विद्यार्थी गर्मी में परेशान होते है तो विद्यार्थी अंधेरे में पढ़ने को मजबूर है।

अब वैध नहीं होगी अवैध कॉलोनियां

हरदीपसिंह ने विधानसभा में उठाया अवैध कॉलोनियों का मामला

मंदसौर, 04 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। मध्यप्रदेश विधानसभा के बजट सत्र के चौथे दिन नर्सिग घोटाले के मामले में मंत्री विश्वास सारंग को लेकर हंगामा हो गया। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने सारंग के खिलाफ विशेषाधिकार हनन पर चर्चा की मांग की। इस पर विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि उन्हें सूचनाएं मिली हैं। इनका परीक्षण करने के बाद आगे का निर्णय लेंगे। विपक्ष चर्चा कराने की मांग पर अडा रहा। इसके चलते सदन में हंगामे की स्थिति बन गई।

इससे पहले पूर्व मंत्री और सुवासरा विधायक हरदीप सिंह डंग ने अवैध कॉलोनियों को वैध करने का मामला उठाया। इसके जवाब में संसदीय कार्य मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा, 'प्रदेश में एक नेक्सस काम कर रहा है। जिसको रोकने के लिए मुख्यमंत्री ने कड़े कानून बनाने के निर्देश दिए हैं। हम अवैध कॉलोनियों को वैध नहीं करेंगे, लेकिन जरूरी सुविधाओं का ध्यान रखेंगे।

नीमच शहर में अतिक्रमण पर चली सरकारी जेसीबी

नीमच, 04 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। नगर पालिका नीमच द्वारा अतिक्रमण हटाओ अभियान के तहत लंबे समय के बाद फिर कार्रवाई शुरु की गई। इस दौरान नगर पालिका की टीम ने शहर में अलग-अलग स्थानो पर अतिक्रमण हटाया। पहली कार्रवाई शहर की पुरानी नगर पालिका बंगला नंबर 60 इलाके में हुई, जहां धार्मिक स्थल का रूप देकर किए जा रहे अतिक्रमण को हटाया गया। जिसकी शिकायत नगर पालिका की टीम को प्राप्त हुई थी। मूलचंद मार्ग स्थित चूडी गली कॉर्नर पर एक व्यक्ति द्वारा किए गए अवैध अतिक्रमण को भी हटाया गया।

दरअसल, लंबे समय से उक्त अतिक्रमण की शिकायत की जा रही थी। जिसमें अतिक्रमणकर्ता द्वारा पक्का निर्माण भी किया गया था। उसे जेसीबी की मदद से जमीदोज कर दिया गया। खास बात यह है कि जब अतिक्रमण हटाने पहुंची टीम को यह जानकारी मिली कि अतिक्रमण हटाने की शिकायत करने वाले सलीम नामक व्यक्ति द्वारा भी पास में काफी अतिक्रमण किया हुआ है। तो उसके अतिक्रमण को भी तत्काल जमीदोज कर दिया गया। इस कार्रवाई के दौरान तहसीलदार संजय मालवीय, नगर पालिका सीएमओ महेंद्र वशिष्ठ, महावीर जैन, हेमंतसिंह सिसोदिया सहित नगर पालिका के अधिकारी कर्मचारी पुलिसकर्मी भी मौजूद रहे।

माली धर्मशाला तोड़ने पहुंचा प्रशासनिक अमला, विरोध में धरने पर बैठा माली समाज

मंदसौर, 04 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। भगवान पशुपतिनाथ मंदिर परिसर में श्री पशुपतिनाथ लोक का निर्माण किया जा रहा है। इसके लिए आसपास की जमीन अधिगृहित की जा रही है। मंदिर के पास बनी माली समाज की धर्मशाला को तोडने प्रशासन का अमला मौके पर पहुंचा। जहां समाज के लोगों ने कार्रवाई का विरोध किया।

माली समाज के लोगों का कहना है कि प्रशासन उन्हें या तो मुआवजा दे या कहीं और जमीन दे। जिससे समाज की दूसरी जगह धर्मशाला का निर्माण हो सके। विरोध के बाद प्रशासन ने पशुपतिनाथ मंदिर के हिस्से में आ रही जमीन पर बना निर्माण हटाया। समाज के भूपेंद्र मावर ने बताया कि फूलमाली समाज की धर्मशाला का निर्माण समाज के लोगों की सहायता से वर्ष 1973 में करवाया गया था। श्री पशुपतिनाथ लोक निर्माण के लिए इसे तोडा जा रहा है। प्रशासन न तो दूसरी जगह भूमि का सीमांकन कर रहा है न मुआवजा दें रहा हैं और ना ही लिखित में दे रहा है। हम भी चाहते हैं की निर्माण हो। लेकिन, फूलमाली समाज की धर्मशाला का मुआवजा दिया जाए। माली समाज के ही चम्पालाल में बताया कि प्रशासन दबाव बनाकर समाज के साथ गलत कर रहा है। अगर प्रशासन नहीं मानता है तो समाजजन के पास रास्ते खुले है। मामले में तहसीलदार रमेश मसारे ने बताया की पशुपतिनाथ लोक का निर्माण किया जा रहा है। इसके लिए जहां जमीन अधिग्रहित की गई है। वहां निर्माण हटा रहे है।

शार्ट सर्किट से लगी आग, घरेलु सामान जला

मनासा, 04 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। थाना क्षेत्र के ग्राम भाटखेड़ी में गुरुवार सुबह आग लगने का मामला सामने आया। यहां एक मकान में शॉर्ट सर्किट से आग लगने की वजह से घर में रखा सारा सामान जलकर खाक हो गया। घटना तब हुई जब घर के सभी लोग तला लगाकर बाहर गए हुए थे। इस आगजनी में घरेलु कीमती सामान जल गए।

दरअसल भाटखेड़ी निवासी अर्जुन भोई किसी काम से सुबह घर से बाहर गए हुए थे। उनकी पत्नी भी बच्चों को स्कूल छोडने गई थी। इस दौरान घर में किसी कारण से आग लग गई। घटना की जानकारी तब हुई जब पडोसियों ने अर्जुन के घर से धुएं को निकलते हुए देखा। इसके बाद तत्काल उन्होंने मनासा नगर परिषद की फायर ब्रिगेड को सूचना दी और घर के परिजनों को भी सूचित किया।

मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की गाड़ी ने कडी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। फिलहाल आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट होना बताया जा रहा है। इस घटना में घर रखा फ्रिज, कूलर, पंखे, टीवी, पलंग बिस्तर आदि सभी सामान जलकर खाक हो गया है। हालांकि आग लगने की असल वजह जांच के बाद ही सामने आएगी। गनीमत यह रही कि घर मे रखे गैस सिलेंडर ने आग को नहीं पकड़ा वरना हादसा ओर भी बड़ा होने की आशंका से इंकार नहीं किया जा सकता था।

दिन दहाड़े नाबालिग का अपहरण

टोल टेक्स का बैरियर तोड़ राजस्थान भागे अपहरणकर्ता

मनासा, 04 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। क्षेत्र के ग्राम बालागंज में गुरुवार दोपहर 12 बजे घर से निकले एक 14 वर्षीय नाबालिग का अपहरण हो गया। बालक किराने का सामान लेने जा रहा था, तभी रास्ते में अज्ञात मारुति वैन सवार बदमाश बच्चे का अपहरण कर फरार हो गए। घटना की जानकारी लगने पर ग्रामीणों ने वैन का पीछा किया और पुलिस को जानकारी दी। हालांकि वैन सवार जिले की सीमा से बाहर जाने में कामयाब हो गए। इस दौरान उन्होंने नयागांव टोल बैरियर भी तोड़ दिया।

बालागंज निवासी विष्णु पिता मांगीलाल ओड अपने घर से किराने का सामान लेने जा रहा था। बताया जा रहा है कि इसी दौरान गांव के बस स्टाप पर एक सिल्वर कलर की राजस्थान पासिंग कार में सवार होकर आए करीब 4 से 5 बदमाश बालक का अपहरण कर भागे। जब कुछ ग्रामीणों ने यह देखा तो शोर किया और वाहनों से पीछा किया। अपहरणकर्ता बालक को जमुनिया रावजी, लासूर, मोरवन, जावद, नयागांव होते हुए राजस्थान में प्रवेश कर गए। इस दौरान ग्रामीणों ने पुलिस को भी सूचना दी। पुलिस ने भी बदमाशों का पीछा किया। वहीं बदमाश रास्ते में नयागांव स्थित टोल टैक्स बैरियर तोड़ते हुए फरार हो गए। बताया जा रहा है कि ग्रामीण और पुलिस की टीम अपहरणकर्ताओं की तलाश करते हुए राजस्थान गई है। वहीं स्थानीय पुलिस को भी इस घटना की जानकारी दी है। फिलहाल अपहरणकर्ता कौन थे, बालक का अपहरण क्यों किया गया, यह सामने नहीं आया है।

मामले की तलाश में जुटी पुलिस...

मनासा एसडीओपी विमलेश उईके के अनुसार, पुलिस को सूचना मिली थी कि एक बच्चे का अपहरण कर बदमाश भागे हैं। पुलिस की टीम उनकी तलाश में जुटी हुई है। झालावाड़ की तरफ जाना बताया है। इस दौरान उन्होंने नयागांव टोल बैरियर भी तोडा। कार सिल्वर कलर की मारुति वैन है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

कार की टक्कर से बाइक सवार पूर्व सरपंच पुत्र की मौत

पिपलियामंडी, 04 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। कार की टक्कर से बाइक सवार पूर्व सरपंच पुत्र की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार हादसा गुरुवार शाम 5.30 बजे करीब बरखेडापंथ में नाकोडा होटल के सामने हुआ। बाइक (एमपी 14 एमए 6780) पर सवार गुर्जरबर्डिया पूर्व सरपंच राधेश्याम मोगिया का पुत्र अनिल बाइक से मंदसौर की ओर जा रहा था, इसी दौरान पीछे से आ रही कार (एमपी 09 डब्ल्यूएम 5691) के ड्राइवर ने बाइक को टक्कर मार दी। सूचना पर मल्हारगढ़ पुलिस मौके पहुंची, घायल को प्राथमिक उपचार के बाद मंदसौर रेफर किया। अस्पताल चौकी के अनुसार घायल की अस्पताल लाने से पहले की मौत हो चुकी थी।

मानसून की पहली बारिश

मंदसौर में गुरुवार शाम को मानसून ने आमद दी। तेज हवा के साथ बारिश ने शहर की सड़कों को तर-बतर कर दिया।

नर्सिंग घोटाले में सीबीआई जांच – मंदसौर के बहुचर्चित श्रीजी नर्सिंग कॉलेज की औचक जांच के लिए सीबीआई की टीम पहुंची। हालांकि, जांच में क्या निकला और क्या मिला, यह पता नहीं चल सका था। देर रात तक जांच जारी थी।

सीतामऊ थाना क्षेत्र में फिर सक्रिय कंजर

15 लाख से ज्यादा की चोरी, तीन मकानों में हुई चोरी की वारदात

सीतामऊ, 04 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। कुछ दिन पहले सीतामऊ थाना क्षेत्र में तत्कालीन टीआई दिनेश प्रजापति का कंजरों को धमकाते हुए और वापिस भगाने का वीडियो खासा वायरल हुआ था। लेकिन, एक बार फिर कंजर यहां सक्रिय होते नजर आ रहे हैं। ग्राम खेताखेड़ा में करीब 15 लाख रुपए की चोरी तीन मकानों में हुई। जिसमें कंजरों का हाथ होने की आशंका जताई जा रही है।

सीतामऊथाना क्षेत्र में बुधवार रात बदमाशों ने खेताखेडा गांव में लाखों की चोरी की वारदात को अंजाम दिया है। बताया जा रहा जा रहा है कि चोरी की इस वारदात को कंजरों की गैंग ने अंजाम दिया है। पिछले कुछ दिनों से सीतामऊ क्षेत्र में कंजरों के मूवमेंट की खबरें मिल रही थी। लेकिन, पुलिस टीम के ढीले रवैये से कंजरों ने करीब 15 लाख की चोरी की वारदात को अंजाम दिया है।

ग्रामीणों से मिली जानकारी के अनुसार बुधवार-गुरुवार की दरमियानी रात बदमाशों ने खेताखेडा गांव के पन्नालाल पिता प्रभुलाल, मुकेश पिता मोहनलाल और वीरेंद्र सिंह के मकानों में चोरी की वारदात को अंजाम दिया। वारदात के समय कोई परिवार के साथ छत पर सो रहा था तो कोई दूसरे कमरे में। बदमाशों ने घरों में रखी अलमारी, सूटकेस तोड़कर उनमें रखी सोने चांदी की ज्वेलरी, नगदी रुपए और घर में रखा राशन सामान तक चुरा ले गए। वहीं बदमाश जाते-जाते अशोक सूर्यवंशी के खेत पर रखा पलंग भी ले गए। सुबह ग्रामीणों को चोरी का पता चला तो सीतामऊ पुलिस को इसकी सूचना दी गई। मौके पर टीआई मोहन मालवीय भी पहुंचे और जांच शुरू की। ग्रामीणों के अनुसार करीब 15 लाख रुपए की चोरी हुई है। पुलिस दोपहर तक जानकारी देने में आनाकानी करती रही। टीआई मोहन मालवीय ने कहा की वे मौके पर इन्वेस्टिगेशन कर रहे हैं, उन्हें ज्यादा जानकारी नहीं है।

सात साल पहले ग्रामीणों ने मार गिराए थे तीन कंजर...

क्षेत्र में कंजरों का खौफ इतना है कि ग्रामीण खेतों में भी टोली बनाकर जाते हैं। कंजरों के आतंक से परेशान खेताखेडा के ग्रामीणों ने 13 जून 2017 को चोरी करने आए तीन कंजरों को मुठभेड में मार गिराया था। इसके बाद गांव में चोरी की वारदातों पर अंकुश लग गया था। अब सात सालो बाद एक बार फिर गांव में चोरी की वारदात सामने आई है। चोरी की वारदात का शक पुलिस और ग्रामीणों को मुंडला गांव के कंजरों पर है।

विचार-मंथन

जय महादेव का उद्घोष, डरना नहीं है का संदेश...

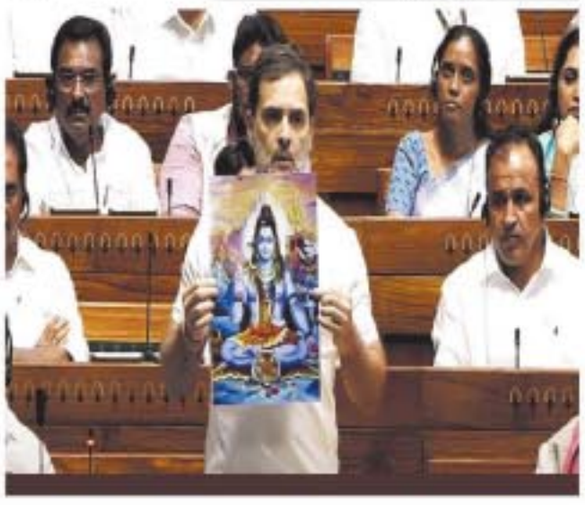

राहुल गांधी ने एक जुलाई को लोकसभा में बतौर नेता प्रतिपक्ष पहला भाषण दिया। करीब पौने दो घंटे का भाषण शुरू करते हुए राहुल ने सबसे पहले उस नैरेटिव को मजबूती दी कि विपक्ष संविधान को बचाने की लड़ाई लड़ रहा है। संविधान की प्रति साथी सांसद से मांग कर उन्होंने लहराई और 'जय संविधान' का नारा लगाया। राहुल गांधी का यह भाषण काफी हंगामेदार रहा। कई जगह उन्हें विपक्ष के तीखे विरोध का सामना करना पड़ा, लेकिन राहुल गांधी 'डरो नहीं' की तर्ज पर पूरे भाषण में बीजेपी, प्रधानमंत्री और नरेंद्र मोदी सरकार पर निशाना साधते रहे। उन्होंने कई जगह प्रधानमंत्री की चुटकी ली। सत्ता पक्ष के लिए मैसेज यही रहा कि इस बार वह विपक्ष के वार सहे बिना नहीं रह सकता। राहुल ने अपने अंदाज में सरकारी एजेंसियों, संस्थाओं के कथित दुरुपयोग, मणिपुर, महंगाई, एमएसपी, अग्निपथ, बेरोजगारी जैसे मुद्दों पर सरकार को घेरा। उनके भाषण के करीब 20 मिनट बाद ही प्रधानमंत्री को उठना पड़ा। बाद में एक बार और प्रधानमंत्री उठे। इस बार उन्होंने राहुल गांधी पर तंज कसा और कहा कि संविधान ने मुझे सिखाया है कि नेता प्रतिपक्ष को गंभीरता से लेना चाहिए। राहुल के पूरे भाषण के बीच अमित शाह, राजनाथ सिंह, किरण रिजिजू, शिवराज सिंह चौहान, भूपेंद्र यादव को भी बीच में उठ कर अपनी बात रखनी पड़ी। कभी राहुल की बातों पर आपत्ति जताने या सफाई देने के लिए और कभी स्पीकर से व्यवस्था देने की गुहार लगाने के लिए। राहुल ने जनता को यह मैसेज दिया कि वह उनसे जुड़े मुद्दों पर लोकसभा में बात करेंगे। मणिपुर हिंसा, महंगाई, बेरोजगारी, ईडी-सीबीआई के दुरुपयोग के आरोप जैसे मुद्दों पर जो बात वह अक्सर बाहर कहते हैं, वही बात उन्होंने सदन के अंदर भी कही। राहुल गांधी ने स्पीकर को विपक्ष की आवाज को जगह देने और बिना भेदभाव कार्यवाही चलाने का मैसेज भी दिया। राहुल ने पूछा- माइक का कंट्रोल किसके हाथ में है। मेरे भाषण के बीच में माइक ऑफ हो जाता है। साफ-साफ यह तक याद दिला दिया कि आप सदन में नरेंद्र मोदी से झुक कर मिलते हैं, विपक्ष के नेता से नहीं। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला भी बेबस से दिख रहे थे। उन्हें दोनों तरफ से घेरा गया। सत्ताधारी पक्ष की ओर से अमित शाह ने कहा कि राहुल गांधी को छूट दी जा रही है और वह नियमों की अनदेखी कर रहे हैं, सत्ताधारी पक्ष को संरक्षण दी जा रहे हैं। स्पीकर ने जब कहा कि बहस को राष्ट्रपति के अभिभाषण से जुड़े मुद्दों तक ही सीमित रखें तब भी राहुल ने अपने जवाब से स्पीकर को सत्ता पक्ष और विपक्ष के लिए समान रुख रखने का ही संदेश दिया। राहुल के पूरे भाषण के दौरान सत्ता पक्ष ने कई बार स्पीकर से संरक्षण की मांग करते हुए नियमों का हवाला देते हुए राहुल के खिलाफ व्यवस्था देने की गुहार लगाई। राहुल ने इंडिया गठबंधन के अपने साथियों को संदेश दिया कि बतौर नेता प्रतिपक्ष वह सारे दलों की आवाज बनेंगे। यह कहकर उन्होंने गठबंधन की एकता बनाए रखने के लिए भी अपने साथियों को संदेश दे दिया। साथ ही, यह भी संदेश दिया कि आगे भी मिल कर चुनाव लड़ने की जरूरत है। राहुल ने भाजपा से कहा- इंडिया गठबंधन इस बार आपको गुजरात में भी हराएगा। राहुल के भाषण में कांग्रेस के लिए भी मैसेज है। एक मैसेज यह भी हो सकता है कि अब भाजपा को राम का जवाब शिव से दिया जाए। साथ ही, यह मैसेज भी कि राहुल गांधी पहले से मजबूत नेतृत्व क्षमता से लैस हैं। जनता को राहुल गांधी का मैसेज यही रहा कि नियमों की परवाह न करते हुए भी वह ऑफिशियल वर्जन के उलट जनता के मन की बात रखेंगे। जैसा कि अग्निवीर के मामले में उन्होंने किया। एक संदेश यह भी है कि भाजपा ने राहुल गांधी की जो छवि बनाई थी, राहुल के बतौर नेता प्रतिपक्ष पहले भाषण से जनता उसकी सच्चाई परखे।

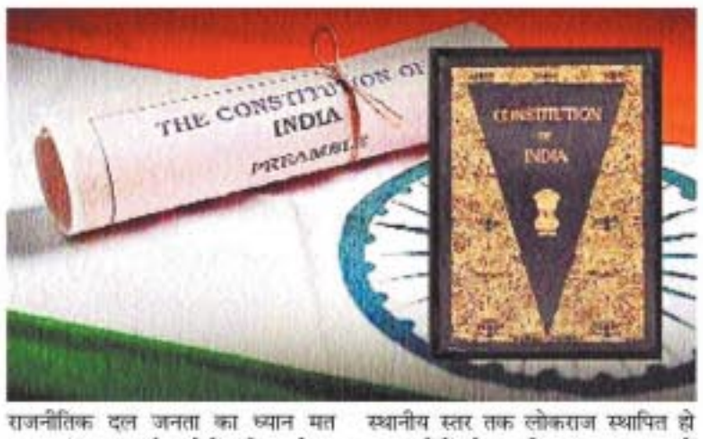

संविधान पर शोर-शराबा क्यों?

डॉ. मोहन लाल (हामा. मोहन लाल)

देश भर में आज संविधान को लेकर सभी राजनीतिक दल हल्ला-गुल्ला कर रहे हैं परंतु देश के सामने जो वास्तविक चुनौतियां हैं उन्हें राजनेता गंभीरता से नहीं ले रहे हैं। 1980 से अब तक भारत की ही एक स्टेट जम्मू-कश्मीर आतंकवाद की भट्टी में जल रही है। रक्त बीज की तरह वहां आतंकवादी लोगों की जानें ले रहे हैं और फिर उतने ही पैदा हो रहे हैं। कौन गंभीर है इस ओर दो टूक फैसला होना चाहिए। मोदी साहिब सर्व शक्तिमान हैं। जम्मू-कश्मीर के इस चैलेंज को स्वीकार करें। नाहक पुलिस और फौजियों को शहीद करवा रहे हैं। आर-पार हो जाना चाहिए। गृह मंत्री अमित शाह तभी राजनीति के चाणक्य कहलवाने के योग्य होंगे यदि छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले को नक्सल मुक्त करवाएंगे। व्यर्थ चाणक्य कहलाने का क्या लाभ। मणिपुर साल भर से खूनी खेल खेल रहा है, चाणक्य नीति बार-बार वहां फेल क्यों हो रही है? क्या मणिपुर भारत का हिस्सा नहीं? चौथी चुनौती आसमान छूती महंगाई पर सरकार चुप क्यों है? आवश्यक वस्तुओं के दाम साधारण व्यक्ति के हाथ से छूट रहे हैं। और राजनेता संविधान के मुद्दे को व्यर्थ उछाल रहे हैं। पक्ष-प्रतिपक्ष संघ प्रमुख मोहन भागवत के उद्घोषण पर अमल करें। संविधान को कुछ नहीं होगा। जून 1975 को संविधान को छेड़ कर तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी ने देख लिया। भारत की जनता को एक-एक चीज 50 वर्ष पहले की याद है। कृपया

राजनीतिक दल जनता का ध्यान मत भटकाएं। भारत के लोगों की उपरोक्त इच्छाओं पर सभी राजनेता एकमत से इच्छचतन करें। चुनौतियों का निधान निकालें। भारत के संवैधानिक इतिहास में 26 नवम्बर 1949 का दिन महत्वपूर्ण है क्योंकि इसी दिन संविधान सभा ने भारतीय लोगों के नाम पर स्वतंत्र भारत का संविधान अर्पित किया। संविधान वह संवैधानिक पुस्तक है जिसके द्वारा लोगों ने अपनी सरकारें और प्रशासन अपने ढंग से चलाने का संकल्प लिया। भारत के लोगों ने लोकतंत्र की सारी शक्तियां अपने ऊपर ले लीं। प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से सारी शक्तियां जनता के हाथ आ गईं। संसद में और विधानसभाओं में जनमत का प्रतिनिधित्व भारत के लोगों के हाथ आ गया। नगर निगमों, नगर पालिकाओं और पंचायतों का प्रशासन भारत के लोगों ने स्वयं संभाल लिया। केंद्र से लेकर स्थानीय स्तर तक लोकराज स्थापित हो गया। लोगों को अपनी इच्छानुसार सरकारें चुनने का अधिकार प्राप्त हो गया। संविधान एक ऐसा दस्तावेज है जिसकी सारथी भारत की जनता है। इस संविधान को लोगों पर किसी सरकार या राजनेता ने नहीं लादा बल्कि भारत की जनता ने स्वयं अपने आपको अर्पित किया क्योंकि जन कल्याण इसी में है। भारत एक लोक कल्याणकारी राष्ट्र है। इस संविधान को कोई डिक्टेटर, कोई तानाशाह या सेना का कोई भी अफसर बदल नहीं सकता। इस संविधान के मौलिक प्रावधानों को बदला नहीं जा सकता। हां कोई सरकार संसद में दो तिहाई मत प्राप्त कर ले तो इसमें कुछ संशोधन हो सकते हैं परंतु मूल संवैधानिक ढांचे को बदला तब भी नहीं जा सकता। भारत एक लोकतांत्रिक सर्व सत्ता सम्पन्न, सार्वभौमिक गणराज्य है। इसमें भारत के लोगों के मौलिक अधिकार निहित हैं। उन मौलिक अधिकारों को कोई छीन नहीं सकता। हां संविधान में संशोधन कर इसमें भारत के लोगों के कुछ कर्तव्य अवश्य डाल दिए गए हैं। हां यह भी सत्य है कि आज से 50 साल पहले तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी ने अपनी गद्दी बचाने के लिए संविधान से आपातकाल घोषित कर 25 जून,1975 को इससे छेड़छाड़ जरूर की थी परंतु 21 महीनों के इस आपातकाल से इंदिरा जी को कुछ हासिल नहीं हुआ। उलटा उनकी गद्दी जाती रही। वर्तमान समय में संसद के प्रतिपक्ष नेता राहुल गांधी अवश्य अपनी दादी के कार्य से क्षुब्ध तो जरूर होंगे। तब देश जेलखाना बन गया था। प्रेस का गला घोंट दिया गया था। अतः कम से कम राहुल गांधी तो संविधान बदलने का हौवा खड़ा न करें। भारत का संविधान भारत के लोगों के लिए, उनके अधिकारों के लिए एक सुरक्षा कवच है। 2024 के लोकसभा चुनाव में इसी संविधान को बदलने का एक भय इंडिया गठबंधन ने लोगों के मनों में बिठा दिया। इसका मोदी-अमित शाह की जोड़ी को नुकसान भी हुआ। इस जोड़ी के '400 पार' के नारे ने संविधान बदलने की भावनाओं की हवा निकाल दी। सरकार वही चलेगी जो जनमत का और संविधान का सत्कार करेगी। सरकार वही बनेगी जो लोगों की इच्छाओं का सम्मान करेगी। अन्यथा पांच साल के अंतराल के बाद बदल देगी। संविधान सभी भारतीय नागरिकों को समान न्याय के अवसर प्रदान करता है। धर्म, सम्प्रदाय, लिंग, रंग-रूप, वेषभूषा, जात-पात, स्टेटस, स्त्री-पुरुष का भेद न्याय के सामने नहीं चलेगा। न्याय पाना सबका अधिकार है। सब कानून के अधीन रह कर चलेंगे। मानव संसाधनों पर सभी भारत वासियों का समान अधिकार रहेगा। भारत एक कल्याणकारी राज्य है। सरकारों का मुख्य उद्देश्य अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना होता है। भारत में रंग, जाति, सम्प्रदाय, वर्ग या पहनावे पर किसी को प्रताड़ित नहीं किया जाएगा। यह सरकारों द्वारा मुफ्त बिजली, पानी, राशन गरीबों तक पहुंचाना कल्याणकारी राज्य की पहचान है। परस्पर स्नेह, प्यार और भाईचारा बना कर रखना जनता का मौलिक कर्तव्य है। अपराधी को दंड मिले, बेकसूर को पूरा न्याय मिले। यह सरकार की ड्यूटी है। प्रत्येक नागरिक को राजनीति में या समाज में ऊंचे से ऊंचा पद पाने का अधिकार है। नौकरी में सब लोगों को समान अवसर प्राप्त हों। हमारी आपसी फूट के कारण विदेशी आक्रमणकारी हम पर हावी होते रहे। हम आपस में लड़ते-झगड़ते रहे और विदेशी इसका लाभ उठा हम पर राज करते रहे। संविधान निर्माताओं ने इस बात पर सबसे अधिक जोर दिया कि देश की एकता-अखंडता किसी भी कीमत पर भंग न हो। जो भी नागरिक भारत में रह कर इस धरती का अन्न खाकर इससे गद्दारी करेगा उस पर कानूनी कार्रवाई होगी। अपराधी जेल की सलाखों के पीछे। हमारा संकल्प है कि इस देश का प्रत्येक नागरिक देश को विकास की ओर ले जाएगा।

उत्पादन बढ़ने के बावजूद क्यों महंगा हो रहा दूध?

श्रुति श्रीवास्तव

मदर डेयरी ने पिछले साल बढ़ती उत्पादन लागत को इसकी कीमत में बढ़ोतरी के लिए जिम्मेदार ठहराया। कंपनी ने कहा, उपभोक्ता मूल्य में वृद्धि मुख्य रूप से उत्पादकों को बढ़ी हुई उत्पादन लागत की भरपाई के लिए है, जो एक साल से अधिक समय से बढ़ रही है। एक तरफ जहां प्राइवेट कंपनियों ने दूध की कीमतें बढ़ा दी हैं, सहकारी समितियां और राज्य समर्थित उद्यम स्थिर कीमतें बनाए रखने में कामयाब रहे थे। दिलचस्प बात यह है कि दक्षिण भारत में कुछ डेयरियों ने अपनी खुदरा दरें कम कर दी हैं। दूध की कीमतों में पिछले कुछ समय से लगातार बढ़ोतरी देखी जा रही है। अगर 2023 की कीमतों से नई कीमतों की तुलना की जाए तो मदर डेयरी का फुल क्रीम और अमूल का फुल क्रीम दूध (गोल्ड) अब 68 रुपये का मिलता है। वहीं, एक साल पहले दोनों के ही फुल क्रीम मिल्क 66 रुपये प्रति लीटर मिलते थे। पिछले दो सालों में, अमूल और मदर डेयरी जैसे प्रमुख दूध आपूर्तिकर्ताओं ने किसानों से दूध की बढ़ती खरीद लागत का हवाला देते हुए दूध की कीमतों में कई बार बढ़ोतरी की है। उदाहरण के लिए, मदर डेयरी ने मार्च और दिसंबर 2022 के बीच दूध की कीमतों में 10 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी की है। 2022 में, अमूल ने अपनी कीमतों में तीन बार बढ़ोतरी की, जबकि मदर डेयरी ने कई बार कीमतों में संशोधन किया। 2022 में अमूल द्वारा आखिरी बढ़ोतरी अक्टूबर में की गई थी जब उसने अपनी कीमतों में 2 रुपये की बढ़ोतरी की थी जबकि मदर डेयरी के मामले में आखिरी बढ़ोतरी दिसंबर में 2 रुपये की थी।हालिया मूल्य वृद्धि ऐसे समय में हुई है जब भारत में दूध की आपूर्ति स्थिर है। मार्च 2024 में समाप्त हुआ फ्लश सीजन हाल के दिनों में सर्वश्रेष्ठ में से एक था। भारत में 2022-23 में लगभग 231 मिलियन टन दूध का उत्पादन होने का अनुमान रहा है, जो उससे पिछले साल की तुलना में 221 मिलियन टन अधिक है। अनुमानित 4.5 प्रतिशत की वृद्धि दर के साथ 2023-24 में उत्पादन लगभग 241-242 मिलियन टन होने का अनुमान है। पशु चारे की कीमतें भी अपेक्षाकृत स्थिर बनी हुई हैं, जो क्षेत्र के हिसाब से 23-27 रुपये प्रति किलोग्राम के बीच बदलती रहती हैं। एक साल पहले ये 23-24 रुपये प्रति किलो के आसपास थे। मानसून का असर भी दूध के उत्पादन पर पड़ता है। मानसून की शुरुआत के साथ दूध की आपूर्ति में सुधार हो सकता है, बशर्ते बारिश अत्यधिक न हो। बहुत अधिक बारिश दूध की आपूर्ति को नुकसान पहुंचा सकती है, लेकिन बूंदाबांदी दूध उत्पादन के लिए अच्छी है। मॉनसून के दौरान डेयरी पशुओं को वायरस, बैक्टीरिया और संक्रमण के संपर्क में आने का अधिक खतरा होता है। विशेषज्ञ भारत की वार्षिक दूध उत्पादन दर को बढ़ाने की सलाह देते हैं जो हाल ही में स्थिर हो गई है। पहले के अनुमानों में जहां उत्पादन में 7-8 प्रतिशत वार्षिक वृद्धि के साथ 2028 तक 300 मिलियन टन उत्पादन का लक्ष्य रखा गया था। हालांकि, हाल में यह वृद्धि प्रति वर्ष 4-5 प्रतिशत के बीच रही है। चारे की बढ़ती दरों और रुके हुए निर्यात के कारण दूध उत्पादन और कीमतों में अस्थिरता आई है, जिससे आपूर्ति में और कमी आई है। देश के कई हिस्सों में लू की स्थिति से देश में दूध उत्पादन पर और असर पड़ने की आशंका है। मदर डेयरी का कहना है, हाल के महीनों में दूध खरीद की ऊंची लागत के बावजूद कंज्यूमर प्राइस स्थिर रहे लेकिन देश भर में भयंकर गर्मी के कारण दूध उत्पादन पर और असर पड़ने की आशंका है। पूर्व, उत्तर और दक्षिणी क्षेत्रों के विभिन्न राज्यों में हीटवेव की स्थिति चल रही है, कुछ क्षेत्रों में तापमान 45 डिग्री सेल्सियस से अधिक है। भारत में डेयरी उद्योग राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में 5 प्रतिशत का योगदान देता है और 8 करोड़ से अधिक किसानों को सीधे रोजगार देता है। भारत दूध उत्पादन में पहले स्थान पर है जो दुनिया के कुल दूध उत्पादन में 25 प्रतिशत का योगदान देता है। एफवाय23 में, देश ने लगभग 231 मिलियन टन दूध का उत्पादन किया जो पिछले दशक में 6प्रतिशत सीएजीआर की वृद्धि दर थी। नीति आयोग की एक रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया है कि देश का दूध उत्पादन 2030 तक लगभग 300 मिलियन टन तक पहुंच जाएगा। इंटरनेशनल मार्केट एनालिसिस रिसर्च एंड कंसल्टिंग ग्रुप के एक अध्ययन के अनुसार, 2021 में भारत में डेयरी बाजार का मूल्य 13 लाख करोड़ रुपये होने का अनुमान लगाया गया था। पिछले 15 सालों में, बाजार ने लगभग 15प्रतिशत सीएजीआर की स्थिर वृद्धि दर दिखाई है और आईएमआरसी के अनुसार 2027 तक लगभग 31 लाख करोड़ होने का अनुमान है। इस प्रकार, भारत विश्व स्तर पर डेयरी उत्पादों के शीर्ष उत्पादक और उपभोक्ता दोनों में से एक है।

पेले और माराडोना जैसे बने विराट

विराट कोहली से हर क्रिकेटर को रश्क होगा। फॉर्म व फिटनेस के लिहाज से वह अभी कुछ और साल ट्वेंटी-20 मजे से खेल सकते थे, पर उन्होंने युवा खिलाड़ियों को अवसर देने की गरज से इस 'फॉर्मेट' से संन्यास ले लिया। ऐसी शानदार विदाई विरले ही देखने को मिलती है। दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेटर एबी डिविलियर्स ने साल 2018 में 34 साल की उम्र में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेकर सनसनी पैदा कर दी थी, तब वह अपने करियर के शिखर पर थे। उनकी फिटनेस के तो क्या ही कहने! अमेरिका के महान बास्केटबॉल प्लेयर माइकल जॉर्डन से लेकर टेनिस के सर्वकालिक महानतम खिलाड़ियों में शुमार स्वीडन के ब्योर्न बोर्ग ने ऐसे ही विदाई ली। बोर्ग ने तो 26 साल की उम्र में टेनिस की दुनिया को विदा कह दिया था। पश्चिमी दिल्ली के पश्चिम विहार में भारतीय जीवन बीमा निगम के मुलाजिमों की एलआईसी कॉलोनी में 239 नंबर घर के आगे अपने क्रिकेट खेल की शुरुआत करने वाले कोहली ने ट्वेंटी-20 वर्ल्ड कप के फाइनल में शानदार पारी खेलकर एक बार फिर सिद्ध किया कि वह 'बिग मैच प्लेयर' हैं। वह कभी भी फॉर्म में वापसी करने की कुव्वत रखते हैं। विराट इसलिए ही महान नहीं हैंकि उनके आंकड़े शानदार हैं, वह महान पेले व डिएगो माराडोना के कद के खिलाड़ी इसलिए बनते हैं, क्योंकि सेमी-फाइनल और फाइनल जैसे अहम मैचों में छा जाते हैं। मेहनत तो सभी खिलाड़ी करते हैं, पर महान खिलाड़ी उसे ही माना जाता है, जो विपरीत हालात और बड़े मैचों में शानदार खेल दिखाए। पेले और माराडोना के करियर को देख लें, वे खास मैचों में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते थे। विराट कमजोर मानी जाने वाली टीमों के विरुद्ध जल्दी आउट हो जाते हैं, पर जब चुनौती बड़ी होती है, तब उनका खेल देखिए। विराट कोहली अब विश्व नागरिक बन चुके हैं। उन्हें उन सभी देशों में खूब पसंद किया जाता है, जहां पर क्रिकेट का खेल खेला जाता है। दुनिया के तमाम बड़े खिलाड़ियों के साथ यही होता है। वे सबके होते हैं और सब उसके होते हैं। यहां धावक उसेन बोल्ट को याद कीजिए। उन्हें भारत में उतना ही अपना माना जाता है, जितना किसी अन्य देश में। वैसे वह मूलतः जमैका से हैं। विराट कोहली भी उस बुलंदी पर पहुंच गए हैं, जहां विपक्षी टीमें उन्हें भरपूर प्रेम और सम्मान देती हैं। पाकिस्तान में भी विराट के लाखों चाहने वाले हैं। दरअसल, खेलों की यही खूबी है। देश की सीमाओं से आगे वे इंसानी भावनाओं को जोड़ देते हैं। विराट कोहली के व्यक्तित्व का एक और पहलू है, जो कम आकर्षक नहीं। जब वह क्रिकेट नहीं खेल रहे होते और फुरसत में होते हैं, तो सपरिवार वृंदावन निकल जाते हैं। वृंदावन में श्रीप्रेमानंद जी महाराज का आशीर्वाद लेते उनका वीडियो वायरल हो चुका है। वह अक्सर ऋषिकेश में गंगा तट पर बने दयानंद गिरि आश्रम पहुंच जाते हैं। कुछ समय पहले वह उज्जैन में महाकालेश्वर मंदिर में भगवान शिव की सुबह चार बजे होने वाली भस्म आरती में भाग लेते दिखे थे। धर्म में अपनी गहरी आस्था को विराट कभी नहीं छिपाते। अब जब उन्होंने ट्वेंटी-20 फॉर्मेट से संन्यास की घोषणा कर दी है, तो उनकी इस घोषणा से उनके करोड़ों चाहने वाले जरूर उदास हुए होंगे, मगर अभी वह एकदिवसीय क्रिकेट और टेस्ट मैच खेलते रहेंगे। विराट कोहली ब्रांड की दुनिया के बादशाह हैं। उनमें सुपर फिट रहने का जुनून है। एक कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उनकी फिटनेस के बारे में पूछा, तो उनका जवाब था, मुझे लगता है कि अगर अपनी फिटनेस पर ध्यान नहीं दिया, तो मेरा करियर खत्म हो जाएगा। वह बहुत नपा-तुला खाना खाते हैं। उन्होंने लोगों के दिलों में अपनी जगह बेहद परिश्रम और पक्के इरादे से बनाई है। इतनी उपलब्धियों के बावजूद विराट की विनम्रता अनुकरणीय है। बिशन सिंह बेदी के तो वह सार्वजनिक रूप से चरण-स्पर्श करते थे।

आज का राशिफल

मेष : [illegible] शुभांक-2,4,6

वृषभ : [illegible] शुभांक-3,4,5

मिथुन : [illegible] शुभांक-2,4,5

कर्क : [illegible] शुभांक-4,6,7

सिंह : [illegible] शुभांक-4,6,8

कन्या : [illegible] शुभांक-2,5,7

तुला : [illegible] शुभांक-3,5,7

वृश्चिक : [illegible] शुभांक-2,4,6

धनु : [illegible] शुभांक-4,6,8

मकर : [illegible] शुभांक-5,7,9

कुंभ : [illegible] शुभांक-3,5,7

मीन : [illegible] शुभांक-2,4,6

सुडोकू पहेली क्रमांक-5286

		2		6	1			9
8		5	4				7	6
6		4						
		3		5	2			
			8		7			
			9	3		2		
						1		2
3	6				8	4		7
2			1		4	9		

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5285

7	3	2	5	6	1	8	4	9
8	1	5	4	2	9	3	7	6
6	9	4	7	8	3	5	2	1
1	8	3	6	5	2	7	9	4
4	2	9	8	1	7	6	3	5
5	7	6	9	3	4	2	1	8
9	4	8	3	7	5	1	6	2
3	6	1	2	9	8	4	5	7
2	5	7	1	4	6	9	8	3

वर्ग पहेली 5286

संकेत: बाएं से दाएं
1. यह एक ऐसी मछली है जो पानी में तैरती है, जमीन पर चलती है और हवा में उड़ती है (4)
5. मेघालय की राजधानी शिलांग पहले इस राज्य की राजधानी हुआ करती थी (3)
8. कुछ लाल सुर्खी लिए हुए (4)
9. गहन चिंतन करने का भाव (3)
10. हृदय, अंतःकरण, दिल ( )
11. मुस्लिमों की ईश प्रार्थना (3)
13. जो चिरस्थाई हो (3)
15. पुराणानुसार कश्यप का एक पुत्र जो आठ वसुओं में से दूसरा था (3)
18. मनोयोग से लगा हुआ, प्रयत्नशील (2)
19. [illegible] (4)
22. यह अभिनेत्री पूनम ढिल्लों की [illegible] पहली फिल्म थी (2)
23. पहरेदार, द्वारपाल (3)
25. तर्क-वितर्क, विवाद (3)
26. आहुति के रूप में दिया हुआ (2)

ऊपर से नीचे
1. [illegible] भारत-पाकिस्तान के विभाजन की पृष्ठभूमि पर आधारित बलराज साहनी अभिनीत और एम.एस.सथ्यु द्वारा निर्देशित फिल्म (5)
2. रस का अपभ्रंश (3)
3. [illegible], विविध, अनेक प्रकार के (2)
4. इस देश को 1935 फारस के नाम से जाना जाता था (3)
5. यह नाम [illegible] के साथ जुड़ा है (4)
6. बेटा, सुत (अंग्रेजी) (2)
7. अजंता आर्ट्स के बैनर तले सुनील दत्त ने अपने भाई सोमदत्त को ब्रेक देने के लिए बनाई थी (3)
12. [illegible], पुराने [illegible] (5)
14. ऐसी घटना जिसमें कोई अपराध हुआ हो (4)
16. आराम, चैन, आनंद (2)
17. [illegible], नोट (2)
20. बकरी का चमड़ा, स्त्री, औरत (2)
21. अमर, [illegible] (2)
23. पारमार्थिक और साधु व्यक्ति (2)
24. रस्म, प्रथा, रिवाज (2)

वर्ग पहेली 5285 का हल

दे	रट	इ	डी	ज		शा	के
ट		ख	ल	ना		ब	
र	ह	न		दे	व	क	न्या
	जु		कु	श	ल		य
	मा	लि	श		य	म	क
जा	न		ध्य	ज		क	र्ता
पा		स	ज		भा	पू	
न	ह	र		व	ग	ल	

अवैध नल कनेक्शनों की छानबीन जारी, कनेक्शनों की जलकर राशि समय पर जमा करावे

मंदसौर, 04 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। नपाध्यक्ष श्रीमती रमादेवी बंशीलाल गुर्जर, नपा उपाध्यक्ष श्रीमती नम्रता प्रीतेश चावला, मुख्य नगरपालिका अधिकारी श्री सुधीरकुमारसिंह व नपा जलकार्य सभापति निलेष जैन ने बताया कि नगरपालिका परिषद के द्वारा नगर में अवैध नल कनेक्शनों को रोकने के लिये टीम गठित की गई है। टीम के द्वारा अवैध नल कनेक्शनों की निरंतर जांच की जा रही है। जिन भी नागरिकों ने अवैध नल कनेक्शन करा रखा है नपा उनसे आग्रह करती है कि वे अपने नल कनेक्शनों को वैध कराने हेतु नगरपालिका में नल कनेक्शन के लिये जो प्रक्रिया है उसका पालन करें। नपा परिषद उन नागरिकों से भी अपील करती है जिन्होंने अपने नाम कनेक्शन का बकाया बिल लम्बे समय से जमा नहीं कराया है नगरपालिका नागरिकों से अपील करती है कि अपने बकाया नल कनेक्शन का मासिक भुगतान समय पर करे।

क्षेत्र के किसानों की समृद्धि के लिए शिवना नदी पर चौसला के समीप डेम निर्माण आवश्यक-विधायक जैन

मंदसौर, 04 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। विधानसभा के बजट एवं मानसून सत्र के दौरान

क्षेत्रीय विधायक विपिन जैन द्वारा शिवना नदी पर ग्राम चौसला के समीप बांध बनाए जाने की मांग की गई है विधानसभा में ताराकित प्रश्न के माध्यम से विपिन जैन द्वारा क्षेत्र के किसानों की समृद्धि और विकास के लिए और क्षेत्र मे सिंचाई सुविधा विकसित करने के लिए चोसला के सभी बांध निर्माण किए जाने की मांग की है यदि यहाँ उक्त बांध का निर्माण किया जाता है तो विधानसभा क्षेत्र की लगभग 25000 हेक्टेयर भूमि सिंचित हो सकती है। योजना स्थल मंदसौर जिला मुख्यालय से 30 किलोमीटर दूरी पर स्थित है बांध निर्माण से 4000 हेक्टेयर क्षेत्र में जल भराव रहेगा और 1164 लाख घन मीटर जल की आवक रहेगी। योजना बांध स्थल पर जलाशय निर्माण हेतु उपयुक्त होकर स्थल से लगी हुई है तथा भूमि पूर्णता उपजाऊ और कृषि योग्य भी है बांध निर्माण किए जाने के संबंध में पूर्व में भी जैन द्वारा कार्यपालन यंत्री, जल संसाधन संभाग मंदसौर को पत्र लिखकर आवश्यक कार्रवाई किए जाने की मांग की थी वहीं विभाग द्वारा आवश्यक जानकारी मुख्य अभियंता जल संसाधन विभाग उज्जैन और प्रमुख अभियंता भोपाल को भी भेजी गई है। श्री जैन द्वारा मांग की गई है कि शिवना वृहद सिंचाई परियोजना के विस्तृत सर्वेक्षण प्राक्कलन की राशि स्वीकृत कर इस परियोजना को मूर्त रूप दिए जाने की मांग की गई है।

मंदसौर विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत होगा 10 उप स्वास्थ्य केंद्र और एक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का निर्माण-विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत स्वास्थ्य सुविधाओं को विकसित करने के संबंध में भी विपिन जैन द्वारा विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत जानकारी मांगी गई थी विभागीय उत्तर में बताया गया है कि भालोट, गरोडा, कटलार, मुल्तानपुरा, पटेला, खजुरिया सारंग, जवासिया बनी, अमलावद, कचनारा मैं उप स्वास्थ्य केंद्र और निंबोद में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का निर्माण किया जाना है। जैन द्वारा अनुरोध किया गया है कि सारे निर्माण कार्य तय समय सीमा में अनुबंध की शर्तों कें मुताबिक, उच्च गुणवत्ता पूर्वक हो और भोपाल स्तर से अधिकारी लगातार इसकी मॉनीटरिंग कर गुणवत्ता की जांच करें, वही जैन द्वारा यह भी मांग की गई है कि उक्त स्वास्थ्य केंद्र और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का निर्माण किए जाने पश्चात इनमें पर्याप्त स्टाफ की भी पदस्थापना कर इन्हें जनहित को समर्पित किया जाए।

जन्म, मृत्यु प्रमाण पत्र के संबंध में सीएमएचओ प्रतिमाह सभी अस्पतालों की करें समीक्षा

जन्म, मृत्यु प्रमाण पत्र पंजीयन के संबंध में प्रशिक्षण संपन्न

मंदसौर, 04 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। जन्म, मृत्यु प्रमाण पत्र पंजीयन के संबंध में स्वास्थ्य विभाग, नगर परिषद का एक संयुक्त प्रशिक्षण कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित किया गया। प्रशिक्षण के दौरान कलेक्टर ने निर्देश देते हुए कहा कि जन्म और मृत्यु प्रमाण पत्र से संबंधित तथ्यों को अच्छे से संधारित करें। आज के समय में दोनों प्रमाण पत्र बहुत जरूरी है। जन्म और मृत्यु के संबंध में सूचना मोबाइल के माध्यम से भी अब दी जा सकेगी। यह सुविधा भी अब शुरू होने वाली है। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग को निर्देश देते हुए कहा की जन्म और मृत्यु प्रमाण पत्र के संबंध में सीएमएचओ प्रतिमाह सभी अस्पतालों की समीक्षा करें। साथ ही सभी सीएमओ भी हर माह समीक्षा करें। जनगणना कार्य निदेशालय मध्यप्रदेश के श्री हरीशचंद त्रिपाठी सहायक निदेशक एवं उनके सहयोगी श्री राकेश मीणा द्वारा जन्म और मृत्यु संशोधन अधिनियम 2023 एवं उठड ठर्शीरा पोर्टल के संबंध में प्रशिक्षण दिया दिया गया। जन्म और मृत्यु प्रमाण पत्र के संबंध में सभी सचिव एवं जीआरएस की एक प्रशिक्षण प्रदान करें। 181 पर प्राप्त होने वाली जन्म और मृत्यु प्रमाण पत्र संबंधित शिकायतों का त्वरित समाधान करें। चिकित्सा संस्थानो में हुई प्रत्येक मृत्यु का मृत्यु के कारणो का चिकित्सीय प्रमाणीकरण संबधित संस्थान के चिकित्सक द्वारा दिया जाना अनिवार्य होगा। उसकी एक प्रति संबंधित रजिस्ट्रार एवं दूसरी प्रति निकटतम संबंधी को नि:शुल्क दिया जाएगा। Revamp पोर्टल में आम नागरिकों द्वारा मोबाईल ओटीपी के माध्यम से जन्म-मृत्यु की सूचना घटित घटना के स्थान से संबंधित रजिस्ट्रार को ऑनलाइन प्रेषित की जा सकेगी एवं रजिस्ट्रार द्वारा सत्यापन कर प्रमाण पत्र जारी किया जा सकेगा, जो सूचनादाता द्वारा उल्लेखित ईमेल आईडी पर प्राप्त हो जाएगा एवं कभी भी डाउनलोड किया जा सकेगा। प्रशिक्षण के दौरान कलेक्टर श्री दिलीप कुमार यादव, सीईओ जिला पंचायत श्री कुमार सत्यम, स्वास्थ्य विभाग, नगरी निकाय के अधिकारी, कर्मचारी, कंप्यूटर ऑपरेटर मौजूद थे।

मंदसौर सीए ब्रांच द्वारा विद्यार्थियों को उद्योग भ्रमण कर जानकारी प्रदान की

मंदसौर, 04 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। किसी भी औद्योगिक इकाई का ऑडिट करने के पूर्व यदि आपने उस औद्योगिक इकाई की उत्पादन, कच्चे माल के क्रय, विपणन आदि प्रक्रियाओं को प्रत्यक्ष रूप से देखा है तो आप उस इकाई का ऑडिट बखूबी कर सकते हैं। यदि आपको उस औद्योगिक इकाई की निर्माण प्रक्रिया, निर्माण के दौरान होने वाले सामान्य नुकसान आदि के बारे में पूर्ण जानकारी है, तो ऑडिट करते समय बहुत आसानी महसूस होगी। इसी उद्देश्य को लेकर आज हम अपने विद्यार्थियों को औद्योगिक इकाई के भ्रमण पर लेकर आये हैं।

उक्त विचार मन्दसौर सीए ब्रांच के अध्यक्ष सीए दिनेश जैन ने गांधी जैन कार्यालय इकाई के विद्यार्थी भ्रमण के दौरान व्यक्त किये। मन्दसौर ब्रांच के उपाध्यक्ष सीए राजेश मंडवारिया ने बताया कि सीए पाठ्यक्रम की एक प्रमुख विशेषता यही है कि इस पाठ्यक्रम में विद्यार्थियों को सैद्धांतिक व व्यावहारिक ज्ञान दोनों एक साथ ही सीखने को मिलते हैं। विद्यार्थियों को विभिन्न उत्पादन इकाइयों की उत्पादन प्रक्रिया के बारे में प्रत्यक्ष देखने को मिले, इसी उद्देश्य को लेकर मन्दसौर सीए ब्रांच ने आज गांधी जैन कार्यालय में हर्बल उत्पादों के निर्माण प्रक्रिया को देखने का जिम्मा अपने हाथ में लिया और आज 50 से अधिक विद्यार्थियों को इस इकाई का भ्रमण करने का अवसर प्रदान किया। गाँधी जैन कार्यालय के संचालक मयंक गाँधी ने उत्पादन प्रक्रिया की जानकारी देने के साथ साथ विद्यार्थियों के उत्सुकता पूर्ण प्रश्नों का जवाब भी दिया। उन्होंने यह भी बताया कि उद्योगों में किस प्रकार की समस्याओं का सामना करना पड़ता है और किस प्रकार से उन समस्याओं को अवसर में बदला जा सकता है। औद्योगिक इकाई के भ्रमण में विद्यार्थियों के साथ सीए विरेन्द्र जैन, सीए दिनेश जैन, सीए राजेश मंडवारिया, सीए विकास भंडारी, सीए अर्पित नागर, सीए नयन जैन, सीए रोहन सोमानी, सीए सिद्धार्थ विजयवर्गीय, सीए रचित जैन आदि उपस्थित थे। औद्योगिक इकाई के भ्रमण में रुद्राक्ष मंडवारिया, हिमांशु भिमानी, दुर्गेश तिवारी, रोशन माखिजा, रिया जैन, महिमा मोटवानी, प्रेक्षा बाफना, स्वाति शर्मा, खुशी तोमर, प्रियल जैन, साक्षी कुमावत, तनिषा शर्मा, प्रियल कनेसरिया आदि उपस्थित रहे।

एक पौधा मां के नाम अभियान अंतर्गत लगाए फलदार पौधे

मंदसौर, 04 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। 4 जुलाई, गुरुवार को शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय क्रमांक 2 मंदसौर में एक पौधा मां के नाम अभियान के अंतर्गत पौधारोपण का आयोजन किया गया। जिसके तहत 12 पौधे आम और 13 अन्य फलदार पौधे लगाए गए।

इस अवसर पर अतिथि के रूप में जिला न्यायाधीश एवं जिला विधिक प्राधिकरण सचिव श्री सिद्धार्थ तिवारी, अधिवक्ता श्री दशरथ सिंह झाला एवं जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री प्रवीण कुमार, प्राचार्य श्री धर्मपाल सिंह देवड़ा, एनसीसी जिला अधिकारी श्री विजयसिंह पुरावत, इको क्लब प्रभारी श्रीमती अर्चना अठवाल, स्काउट प्रभारी श्री मनोहरलाल शर्मा, विज्ञान क्लब प्रभारी श्रीमती कीर्ति सक्सेना, सीए विकास भण्डारी सहित समस्त स्टाफ एवं छात्रों द्वारा वृक्षारोपण किया गया।

संयुक्त संचालक उद्यान कनेश ने किया जिले का भ्रमण

नीमच, 04 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। संयुक्त संचालक उद्यान, उज्जैपन संभाग उज्जैवन श्री आशीष कुमार कनेश ने बुधवार एवं गुरूवार को नीमच जिले का भ्रमण किया। उन्होने उद्यानिकी विभाग व्दारा जिले में संचालित संरक्षित खेती योजना अन्तर्गत विकासखण्ड जावद के ग्राम रणावतखेडा में निर्मित शेडनेट हाउस एवं प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना अन्तर्गत ग्राम रणावतखेडा, नीमखेडा, आलोरी में कृषकों के प्रक्षेत्र पर स्थापित ड्रिप, मिनि स्प्रिंकलर संयंत्रों का निरीक्षण कर, भौतिक सत्यापन किया। संयुक्त संचालक श्री कनेश ने विकासखण्ड नीमच के विभिन्नत ग्रामों में गुरूवार को ड्रिप, स्प्रिंकलर एवं अन्य उद्यानिकी फसलों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उप संचालक उद्यान अतर सिंह कन्नौजी, श्री कमलेश चौहान एवं अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

समाज में एक शिक्षक के रूप में आदर्श स्थापित करे-श्रीमती महाराणा

सरस्वती शिक्षा महाविद्यालय में प्रवेशोत्सव सम्पन्न

मंदसौर, 04 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। सरस्वती शिक्षा महाविद्यालय संजीत मार्ग, मंदसौर में बी.एड.प्रथम वर्ष के प्रशिक्षणार्थियों के लिए उन्मुखीकरण एवं प्रवेशोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. निशा महाराणा ने प्रशिक्षणार्थियों को बी. एड. के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि आप प्रतिदिन महाविद्यालय प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए आए और प्रशिक्षण प्राप्त कर समाज में एक अच्छे शिक्षक के रूप में एक आदर्श स्थापित करें। इस अवसर पर समस्त स्टाफ ने प्रशिक्षणार्थियों को अपने-अपने विषय की जानकारी दी।

मंदसौर मंडी भाव

उपज	आवक बोरी में	न्यूनतम	अधिकतम
मक्का	53	2354	2480
उडद	4	4251	4300
सोयाबीन	4300	3440	4560
गैहु	45000	2501	3101
चना	323	5500	6485
मसुर	265	5451	6397
धनिया	140	4701	6792
लहसुन	11300	6000	23000
मैथी	1010	4801	7059
अलसी	1104	5700	6070
सरसो	502	4900	5400
तारामीरा	12	4485	4511
इसबगोल	80	9600	13601
प्याज	3200	850	2991
कलोंजी	45	12599	19791
डॉलर	41	7280	9480
तिल्ली	153	9200	12300
मटरसुखी	7	4000	5800
असालीया	27	8800	10240

पूरी की तर्ज पर नीमच में निकलेगी 7 को जगन्नाथ रथयात्रा

विद्युत चलित झांकियां, कच्छी घोड़ी, लेजम-ताशा और उज्जैन की अघोरी बारात होगी रथयात्रा का मुख्य आकर्षण

नीमच, 04 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। नवनिर्मित लकडी के रथ पर सवार होकर जगत के पालनहार भगवान जगन्नाथ अपने बडे भाई बलदाउ और बहन सुभद्रा के साथ 7 जुलाई रविवार को सायं 5 बजे षहर के तिलक मार्ग स्थित श्रीराम मंदिर से नगर भ्रमण पर निकलेंगे।

उक्त जानकारी देते हुए श्री जगन्नाथजी रथयात्रा समिति के समिति संयोजक राजेंद्र गर्ग पप्पी सर, संरक्षक शिवनारायण गर्ग, ओपी मंत्री, सुरेशचंद्र अजमेरा, संतोष चौपडा, ओमप्रकाश बंसल स्वतंत्र, मनोहर अर्जनानी, कन्हैयालाल शर्मा, प्रकाशचंद्र गर्ग जेवी, राजेष जायसवाल पराग, मुरली मंडोवरा, शैलेश जोशी, नवीन गट्टानी, गणेश खंडेलवाल एवं अर्जुन जायसवाल ने संयुक्त रूप से बताया कि रथयात्रा के साथ विद्युत चलित मनमोहक झांकियां जिसमें भगवान श्रीकृष्ण, बलदेव, सुभद्रा रथ पर सवार, आकर्षक मूर्ति, बैण्ड बाजे, ढोलक, कच्छी घोडी, लेजम पार्टी एवं ताषा पार्टी एवं झंकार मजीरा पार्टी उज्जैन, नासिक के ढोल (अघोरी बारात, उज्जैन) मुख्य आकर्षण होंगे। रथ को फूलों से आकर्षक श्रृंगारित किया जाएगा, जो श्रद्धालु भक्तों द्वारा रस्सी से खींचा जावेगा। रथयात्रा में पूज्य दीदी मां साध्वी ऋत्म्भराजी की कृपापात्र षिष्या साध्वी समाहिता दीदी वृन्दावन, मथुरा भी आषीर्वाद प्रदान करेंगी। रथयात्रा पारम्परिक तरीके से श्रीराम मंदिर से प्रारंभ होगी जो जाजू बिल्डिंग, तिलक मार्ग, गोपाल मंदिर, श्रीराम चौक (घण्टाघर) होती हुई अग्रवाल समाज के नृसिंह मंदिर पर मौसी के घर में कुछ देर जलपान कर बारादरी चौराहा, फव्वारा चौक, सब्जी मंडी चौराहा, कमल चौक, भारत माता चौक, पुस्तक बाजार होते हुए अग्रसेन वाटिका पर आरती के बाद विसर्जित होगी। आरती के बाद प्रसाद वितरण होगा।

संयोजक राजेंद्र गर्ग पप्पी सर ने बताया कि मायापुर का सुंदरबनी के कारीगरों द्वारा पोशाक बनाने के बाद पहली बार सतरंगी सिर्फ वृंदावन से मंगवाया गया है। नए रथ पर सवार होकर भगवान जगन्नाथ जी दिव्य दर्शन के लिए निकलेंगे। रथयात्रा को अभूतपूर्व सफल बनाने के लिए निरंतर बैठकें कर तैयारियों की फाईनल समीक्षा की जा रही है। यात्रा को भव्यता प्रदान करने के लिए नगर के सभी सामाजिक संगठनों का सहयोग लिया जायेगा। यात्रा में सनातन सर्वधर्म समाज की सहभागिता रहेगी। ज्ञातव्य है कि 12 वर्षों से निरंतर रथयात्रा का आयोजन हो रहा है, जिसमें 19 समाजों की सहभागिता है तथा 400 सक्रिय सदस्य सहयोग प्रदान करते हैं 400 अन्य सदस्य भी अप्रत्यक्ष रूप से सहयोगी बनते हैं। रथ यात्रा में अग्रवाल, माहेश्वरी, खण्डेलवाल, सकल ब्राह्मण, पोरवाल, पूज्य सिंधी पंचायत, पंजाबी, पाटीदार, जायसवाल, सिख, फुलमाली सैनी, विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल, पाटीदार, साहू तेली, सेन, आर्य, यादव, राजपूत, जाटव, घाणावार तेली, माली, चौरसिया, धाकड़, गुर्जर, आंजना, प्रजापति, रजक धोबी समाज सहित षहर के समस्त धार्मिक अनुषांगिक संगठन एवं समस्त सनातन धर्म सर्वजन सर्व समाज जन के सहयोग से निकाली जाएगी। सभी भक्तों से सामूहिक आह्वान किया गया कि धार्मिक यात्रा में सहभागी बने और सामाजिक एकता प्रेम सद्भाव प्रदर्शित कर अभूतपूर्व सफल बनाएं।

विद्यार्थियों की वोकेशनल/ओपन इलेक्टिव विषयों की प्रायोगिक परीक्षा कल

मंदसौर, 04 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। राजीव गांधी षासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय मंदसौर के प्राचार्य डा. बी.आर.नलवाया ने बताया कि स्नातक प्रथम वर्ष के विषयों एम.एस. आफिस (ओपन इलेक्टिव) ए वेब डिजाईनिंग, एवं द्वितीय वर्ष के विषयों वेब डिजाइनिंग (ओपन इलेक्टिव) ए वेब डेवलपमेंट (वोकेषनल) तथा बी.सी.ए. प्रथम वर्ष हेतु पर्सानालिटि डेवलपमेंट (वोकेषनल) व बी.सी.ए. तृतीय वर्ष (ओल्ड स्कीम) के विद्यार्थियों की प्रायोगिक परीक्षा दिनांक 06/07/2024 को आयोजित की जा रही है। प्रायोगिक परीक्षा के दिन सभी विद्यार्थी निर्धारित समय से आधा घण्टा पूर्व कम्प्यूटर विभाग में अनिवार्यत: उपस्थित रहें। विस्तृत जानकारी विद्यार्थी कम्प्यूटर विभाग के सूचना पटल पर देख सकते है।

राम मंदिर की जमीन नीलामी 11 को

मंदसौर, 04 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। तहसीलदार तहसील मंदसौर नगर द्वारा बताया गया कि मंदसौर स्थित देवस्थान श्री राम मंदिर रामटेकरी मंदसौर की कस्बा मंदसौर में भूमि वर्ष 2024-25 के लिए फसल के लिए नीलामी 11 जुलाई 2024 को प्रात: 12 बजे की लगाई जाएगी। इच्छुक व्यक्ति नीलामी में हिस्सा लेने के लिए 25 हजार रूपये नीलामी पूर्व नगद जाम करवाकर बोली में हिस्सा ले सकते है।

सफलता की कहानी

नल जल योजना ने पार्वती बाई को पेयजल प्रदान कर सुकून की दी जिंदगी

मंदसौर, 04 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। मंदसौर जिले के सीतामऊ तहसील के ग्राम सेमली कांकड की रहने वाली श्रीमती पार्वती बाई नल जल योजना से बहुत खुश है। पार्वती बाई ने नल जल योजना को लेकर बहुत प्रशंसा करते हुए कहा की जब से हर घर नल के माध्यम से जल मिलने लगा हैं तब से पार्वती बाई की समस्या पानी को लेकर खतम हो गई हैं। पहले पानी लेने बहुत दूर तक जाना पडता था उसमे समय भी खराब होता था घर का काम भी करना पडता था, खेत पर भी काम करने जाना, बच्चो को स्कूल भेजना सारा दिन ऐसे ही निकल जाता था कोई दूसरा काम नहीं कर पाती थी। जिससे कुछ आमदनी आ जाए लेकिन उन सब मुसीबतों का हल नल जल योजना ने किया। अब पानी को लेकर कोई समस्या नहीं है। अब तो हर घर में नल लग गए हैं। गांव में पानी की टंकी बन गई है। पर्याप्त मात्रा में पानी मिलता है। अब में काम के लिए भी जाती हु। जिससे कुछ आमदनी आ जाती हैं। अब में और मेरा पूरा परिवार बहुत खुश हैं। पार्वती बाई इस योजना से बहुत खुश है और प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव को बहुत बहुत धन्यवाद देती है।

दिनांक 05 जुलाई 2024
अपनी कुण्डली स्वयं देखे-ज्योतिषाचार्य पंडित यशवंत जोशी के साथ
क्या आप जानते है..?

* जन्मकुंडली में गुरु ग्रह की दृष्टि जिस ग्रह पर पड़ती है वह अपना फल शीघ्रता से देता है तथा शनि ग्रह की दृष्टि जिस ग्रह पर पड़ती है वह अपना फल धीरे देता है।
जय दुर्गा ज्योतिष सेवा संस्थान एवं अनुष्ठान केंद्र मंदसौर
7024667840,8085381720

बदरा बरस जा

कोयल की कूक
पपीहे की प्यास।
नभ पर निगाहें
बादलों से आस।
किसान ने बोया
ताप ने तपाया।
धरती की गहराई
में बीज अकुलाया।
तप से तपी धारा
आसमां समझ जा।
बन के बूंद-बूंद
बदरा बरस जा।

नंदकिशोर राठौर, मंदसौर

कार्यालय नगर पालिका परिषद् मन्दसौर (म.प्र)

क्रमांक 1930/नामांतरण/2024

नामातंरण विज्ञप्ति

मन्दसौर दिनांक 03.07.2024

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि इस कार्यालय को निम्नलिखित भवनों/ भूमियों पर नामातंरण हेतु आवेदन पत्र प्राप्त हुए है। जिस किसी को इन आवेदनो पर आपत्ति हो तो उक्त विज्ञप्ति प्रकाशन के 15 दिवस के अंदर आपत्ति मय ठोस दस्तावेज के साथ प्रस्तुत कर सकते है। समयावधि के पश्चात किसी भी प्रकार की आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा तथा नियमानुसार नामातंरण की कार्यवाही की जावेगी। सूचित हो।

क्र.	प्रकरण क्र.	मोहल्ला	वार्ड नं.	प्लाट/ मकान नं.	नगर पालिका रिकार्ड में दर्ज नाम	अंतरण कराने वाले का नाम	किसके हक में अंतरण होगा	माध्यम/ आधार
1	851x7/2024	न्यू आनंद विहार	5	प्लांट नं.62	विनायक इंटरप्राईजेस मंदसौर मोहन पिता झमटमल मेघनानी व आदि	विनायक इंटरप्राईजेस मंदसौर मोहन पिता झमटमल मेघनानी व आदि	चेताली पति सौरभ डोसी	विक्रय पत्र
2	852x7/2024	न्यू आनंद विहार	5	प्लांट नं.60	विनायक इंटरप्राईजेस मंदसौर मोहन पिता झमटमल मेघनानी व आदि	विनायक इंटरप्राईजेस मंदसौर मोहन पिता झमटमल मेघनानी व आदि	चेताली पति सौरभ डोसी	विक्रय पत्र
3	853x7/2024	श्रृंगार गली	25	मकान नं.41/1	सवित्रि पति रमेशचंद्र सोनी	सवित्रि पति रमेशचंद्र सोनी	मो. भय्यु पठान पिता शब्बीर खां	विक्रय पत्र
4	854x7/2024	मेवातीपुरा खरंजा 2+4	15	प्लांट नं.33 का भाग	नसरुद्दीन पिता नूर मोहम्मद	मरियम पति स्व. नसरुद्दीन शाह	इशाक शाह पिता इस्माईल शाह	विक्रय पत्र
5	855x7/2024	शारदा विहार	39	प्लांट नं.63	नंदकिशोर पिता शांतिलाल अग्रवाल	संगीता पति मनोज दुबे	प्रीति पति अनिलकुमार अग्रवाल	विक्रय पत्र
6	856x7/2024	अभिनंदन मेन	5	प्लांट नं.428	विमलाबाई पति कांतिलाल जैन	दीपमाला पिता किशनचंद कृष्णानी	कोमल पिता प्यारचंद माली प्रकाश पिता राधेश्याम माली	विक्रय पत्र
7	857x7/2024	पारख कालोनी	3	मकान नं.60/1	राधाकिशन पिता पन्नालाल पारख	नेहा पति अंशुल जैन पिता विजयकुमार जैन व आदि	भेरुलाल पिता मोहनलाल घोड़ेवाल	विक्रय पत्र
8	858x7/2024	अग्रसेन नगर मेन	5	मकान नं.166	पुष्पा पति पवनकुमार अग्रवाल	समता पति आशीष शुक्ला	हर्षित पिता अशोककुमार जैन	विनिमय विलेख
9	859x7/2024	न्यू आनंद विहार	5	प्लांट नं. 61	विनायक इंटरप्राईजेस मंदसौर मोहन पिता झमटमल मेघनानी व आदि	विनायक इंटरप्राईजेस मंदसौर मोहन पिता झमटमल मेघनानी व आदि	चेताली पति सौरभ डोसी	विक्रय पत्र
10	860x7/2024	भूरिया महादेव गली	19	मकान नं. 15	हेमंतकुमार पिता स्व. बापूलाल मोदी सुशीला पति स्व.चंद्रशेखर मोदी व आदि	हेमंतकुमार पिता स्व. बापूलाल मोदी सुशीला पति स्व.चंद्रशेखर मोदी व आदि	हेमंतकुमार पिता स्व. बापूलाल मोदी	बंटवारा लेख
11	861x7/2024	नंदा नगर	5	प्लांट नं. 84	फर्म नंदा प्रापर्टीज किटियानी मंदसौर प्रितेश पिता कैलाश चावला व आदि	फर्म नंदा प्रापर्टीज किटियानी मंदसौर प्रितेश पिता कैलाश चावला व आदि	लीलादेवी पति हरीशचंद्र बाबानी	विक्रय पत्र
12	862x7/2024	न्यू आनंद विहार	5	प्लांट नं. 33	मोहन पिता झमटमल मेघनानी व आदि	मोहन पिता झमटमल मेघनानी व आदि	मोहित पिता मदनलाल सोनी प्रद्युमन पिता मदनलाल सोनी	विक्रय पत्र
13	863x7/2024	गौशाला मार्केट	18	दुकान नं. 23	स्व. कन्हैयालाल सेवाराम बाबनी	स्व. कन्हैयालाल सेवाराम बाबनी	दिनेशकुमार पिता स्व. कन्हैयालाल बाबनी	वसीयतनामा, शपथ पत्र
14	864x7/2024	धानमंडी रोड	18	प्लांट नं.111 का भाग	कासमॉस इंटरप्राईजेस विमला पति स्व. प्रकाशचंद डोसी	कासमॉस इंटरप्राईजेस विमला पति स्व. प्रकाशचंद डोसी	परवीन बी पति मो. सादिक छीपा	विक्रय पत्र
15	865x7/2024	ईजी होम्स	39	प्लांटनं.बी-33बी-34	सीमा पति स्व. पुरंजन कटारिया	सीमा पति स्व. पुरंजन कटारिया	जयंती पति जितेन्द्र रेगर	विक्रय पत्र

राजस्व अधिकारी
नगर पालिका मन्दसौर (म.प्र.)

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद मन्दसौर (म.प्र.)

बजट में युवा, गरीब, महिला, किसान सहित सभी वर्गों का रखा गया है ध्यान-मुख्यमंत्री

मंदसौर, 04 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने वर्ष 2024-25 के बजट को सर्वजन हिताय-सर्वजन सुखाय बताया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में पहली बार 03 लाख 60 हजार करोड से अधिक की राशि का बजट प्रस्तुत किया गया है। बजट की यह विशेषता है कि इसमें किसी प्रकार का कोई टैक्स नहीं लगाया गया है। किसी भी विभाग की अपेक्षित राशि को कम नहीं किया गया, अपितु सभी विभागों के आवंटन में वृद्धि की गई है। विकसित भारत-विकसित मध्यप्रदेश की थीम पर प्रस्तुत बजट में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अपेक्षा अनुसार जीडीपी की ग्रोथ को सुनिश्चित करते हुए आगामी पाँच वर्षों में बजट का आकार दोगुना किया जाएगा। बजट में सभी वर्गों विशेषकर युवा, गरीब, महिला, किसान आदि का ध्यान रखा गया है। आईटी सहित नवीन तकनीक के क्षेत्रों पर विशेष ध्यान देते हुए प्रशासनिक सेवाओं में प्रदेश के युवा अधिक से अधिक संख्या में आए, इस उद्देश्य से उन्हें प्रोत्साहन व प्रशिक्षण उपलब्ध कराने तथा प्रदेश में उनका योगदान बढ़ाने के लिए दीर्घगामी योजना पर कार्य होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वर्ष 2024-25 के बजट के लिये प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं दी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव विधानसभा स्थित मीडिया सेंटर में मीडिया प्रतिनिधियों से चर्चा कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जो विद्यार्थी छात्रावासों में अध्ययनरत हैं, उनके लिए भी बजट में विशेष व्यवस्था की गई है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में दुग्ध उत्पादन के प्रोत्साहन के लिए बजट में पर्याप्त धन राशि की व्यवस्था की गई है। गौ-शालाओं के लिए भी पर्याप्त राशि का प्रावधान किया गया है। औद्योगिक विकास के लिए बजट प्रावधान में 40 प्रतिशत की वृद्धि की गई है। भारी उद्योग, एमएसएमई और कुटीर उद्योग सहित स्व-सहायता समूह के लिए भी बड़ी राशि का प्रावधान किया गया है। स्थायी प्रकृति के निर्माण कार्य जैसे स्कूल, कॉलेज, अस्पताल, सडक, एक्सप्रेस-वे पर विशेष ध्यान होगा। महाकौशल, चंबल, विंध्य, मालवा, आदि की सीधी कनेक्टिविटी राजधानी से जुड़े, इस उद्देश्य से पर्याप्त व्यवस्था करते हुए वित्तीय तरलता का प्रावधान किया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में सिंहस्थ का वृहद स्तर पर आयोजन होने वाला है। उज्जैन में होने वाला सिंहस्थ भव्य और दिव्य होता है। सिंहस्थ के लिए इंदौर एवं उज्जैन संभाग के 13 जिलों के देव-स्थानों पर पर्याप्त व्यवस्था के उद्देश्य से टोकन राशि के रूप में 500 करोड रूपए का प्रावधान किया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वरिष्ठ नागरिक प्रदेश की थाती हैं, उनके लिए विशेष योजना आरंभ की जा रही है। अन्य प्रदेशों या विदेशों में कार्यरत युवाओं के माता-पिता की देखरेख के लिए नगरीय क्षेत्र में ऐसी सोसायटियों को प्रोत्साहित किया जाएगा, जहाँ वरिष्ठ नागरिकों के लिए चिकित्सा सुविधा सहित सभी आवश्यक व्यवस्था हो। इस दिशा में आगे आने वाले प्रायवेट सेक्टर को राज्य शासन की ओर से सहयोग उपलब्ध कराया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में रिकार्ड संख्या में पर्यटक पधारे हैं। धार्मिक पर्यटन के साथ-साथ हैरिटेज टूरिज्म, वन पर्यटन में पर्याप्त गतिविधियां हैं। इसके साथ-साथ एजुकेशन व हेल्थ टूरिज्म को प्रोत्साहित करने के लिए राशि का प्रावधान किया गया है। प्रदेश में श्रीअन्न उत्पादन क्षमता देश में सर्वाधिक है। इसे प्रोत्साहन देने के लिए भी व्यवस्था की गई है। डिण्डौरी में श्रीअन्न अनुसंधान केन्द्र खोला जा रहा है। इसी प्रकार दलहन अंतर्गत चना अनुसंधान केन्द्र मालवा में, सरसों अनुसंधान केन्द्र चंबल में खोला जाएगा। गौ-वंश संबंधी अपराधों को बढ़ावा नहीं मिले, इसके लिए कठोर कार्रवाई के साथ-साथ गौ-वंश को प्रोत्साहन देने के लिए राज्य शासन ने इस वर्ष को गौ-वंश रक्षा वर्ष घोषित किया है। राज्य सरकार की जन-कल्याणकारी योजनाओं के परिणामस्वरूप दो करोड 30 लाख से अधिक लोग गरीबी रेखा के बाहर आए हैं। प्रदेश में रोजगारपरक योजनाओं को लागू करते हुए सामान्यजन के बेहतर जीवन के लिए राज्य सरकार निरंतर कार्यरत रहेगी।

आपदा जोखिम न्यूनीकरण पर आधारित दो दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ

मंदसौर, 04 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। आपदा प्रबंध संस्थान भोपाल,गृह विभाग म.प्र.शासन के निर्देशन में एवं जिला प्रशासन मंदसौर एवं यूनिसेफ मध्यप्रदेश के समन्वय से जिला पंचायत सभाकक्ष में स्वयं सेवी संस्थाओं के प्रतिनिधियों हेतु आपदा जोखिम न्यूनीकरण पर आधारित दो दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ किया गया।

आपदा प्रबंध संस्थान भोपाल,गृह विभाग से डॉ. जॉर्ज व्ही.जोसेफ संयुक्त संचालक ने कहा कि आपदाओं के दौरान स्वयं सेवी संस्थाए जिला प्रशासन के साथ मिलकर समुदाय को आपदा की स्थिति में मदद पहुचाने का कार्य करती है। स्वयं सेवी संस्थाए ग्राम स्तर पर काम करती है और समुदाय के साथ सीधा संपर्क रहता है इसलिए आपदा के प्रभाव को कम करने के लिए स्वयं सेवी संस्थाए महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर सकती है यदि उनको शसक्त किया जाये। आपदा प्रबंधन अधिनियम-2005,आपदा प्रबंधन नीति,2009, के साथ-साथ आपदा के पश्चात प्रभावितों पर पढनें वाले मनोसामाजिक प्रभाव आदि के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी। कार्यक्रम में अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री आर.पी.सिंह पवांर ने कहा कि स्वयं सेवी संस्थाए आपदा प्रबंधन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है इसलिए इस यह प्रशिक्षण मंदसौर जिले के लिए लाभकारी होगा। कार्यक्रम में जिला होमगार्ड कमान्डेंट श्री डी.आर.वर्मा ने कहा कि आपदाये कभी कहकर नहीं आती इसलिए सभी को आपदा के दौरान एवं पश्चात होने वाली स्थिति से निपटने के लिए खोज एवं बचाव तकनीक के बारे में जानकारी होना आवश्यक है इसके लिए कार्यक्रम के अगले दिवस मौकड्रिल के माध्यम से प्रशिक्षित किया जायेगा। श्री अभिषेक मिश्रा,तकनीकी विशेषज्ञ आपदा प्रबंध संस्थान भोपाल,गृह विभाग म.प्र.शासन ने भूकंप आपदा के बारे में बताया कि भूकंप को आने से नहीं रोका जा सकता परन्तु भूकंपरोधी भवन निर्माण बनाने,अपने पुराने भवनों में रेट्रोफिटिंग कर एवं बडी इमारतों में भवनों के अंदर सुरक्षित स्थानों की जानकारी होने से भूकंप आपदा हताहत होने से वचाव किया जा सकता है। कार्यक्रम में श्री रब्बी काजी एवं श्री संदीप भवंर प्लाटून कमांडर एवं उनकी टीम के साथ-साथ जिले में कार्यरत 75 स्वयं सेवी संगठन के प्रतिनिधियों ने सहभागिता की। इस प्रशिक्षण के अगले दिवस दिनांक 05 जुलाई, 2024 को खोज एवं बचाव तकनीक एवं उपकरणों का प्रदर्शन किया जायेगा साथ ही साथ, समुदाय आधारित आपदा प्रबंधन, आगजनी प्रबंधन, सी.पी.आर. एवं आकाशीय बिजली प्रबंधन के बारे में जानकारी प्रदान की जायेगी।

अशासकीय विद्यालयों की कालाबाजारी पर शिक्षा विभाग जागरूक नही

सुवासरा, 04 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। अशासकीय विद्यालयों की कालाबाजारी पर शिक्षा विभाग अभी भी जागरूक नही हुआ है। बुधवार को ब्लॉक शिक्षा अधिकारी और विकास स्त्रोत समन्वयक ने नगर में केवल एक निजी विद्यालय पहुंचकर अपनी जांच की खाना पूर्ति कर ली। और जांच में भी केवल शासन द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम का मिलान कर एक प्रतिवेदन तहसीलदार को सौंपकर चले गए। जबकि नगर के कुछ स्टेशनरी विक्रेता और निजी विद्यालय की सांठ गांठ के चलते कॉपी किताबो और ड्रेस की कालाबाजारी चरम पर है। प्रशासन भी आंख मूंदकर कर तमाशा देख रहा है। सीतामऊब्लॉक शिक्षा अधिकारी नागूलाल मालवीय बुधवार को क्षेत्र के दौरे पर थे। लेकिन अभिभावकों की गंभीर समस्या पर ध्यान नही दिया गया। जब इस बारे में ब्लॉक शिक्षा अधिकारी से बात की गई तो उन्होंने कहा की मेरे पास विकास खंड में क्षेत्र बड़ा है समय समय पर जांच की जाती है। आगे भी जांच करेंगे। वहीं विकास स्त्रोत समन्वयक राकेश आचार्य ने बताया की अभी नगर के एक निजी विद्यालय की जांच की गई हे। उसका प्रतिवेदन तहसीलदार को भेज दिया है। आगे भी जांच जारी रहेगी।

मप्र श्रमजीवी पत्रकार संघ के प्रांतीय सम्मेलन में शिरकत करेंगे राजनेता

मनासा/सिंगोली, 04 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। प्रदेश मे पत्रकारो के सबसे बडे रजिस्टर्ड संगठन मध्यप्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ का नीमच मे दिनांक 21 जुलाई 2024 रविवार को प्रात: 11 बजे से आयोजित प्रांतीय सम्मेलन मे बतौर मुख्य अतिथी पधारने का आमंत्रण पत्र 3 जुलाई को भोपाल मे मुलाकात करते हुए दिया। संगठन के पदाधिकारियो ने विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह जी तौमर उप मुख्यमंत्री श्री जगदीश जी देवडा,एमएसएमई मंत्री चेतन जी कश्यप से भेंट कर उनसे कार्यक्रम मे पधारने का आग्रह किया इस पर तीनो ही वरिष्ठ राजनेताओ ने उपरोक्त कार्यक्रम मे आने की सहर्ष सहमति प्रदान की। इस अवसर पर आयोजक नीमच जिले के जिलाध्यक्ष प्रदीप जैन के साथ प्रांतीय महासचिव सुनिल त्रिपाटी, कार्यकारी अध्यक्ष दिलीप सिंह भदौरिया, सरल प्रताप सिंह भदौरिया, राजेंद्र पुरोहित उज्जैन, कार्यक्रम के संयोजक कैलाश राठौर, प्रदेश प्रतिनिधी भरत जाट, जिला महासचिव चैनसिंह सोलंकी, कोशल व्यास उपस्थित रहे।

ज्ञात रहे नीमच मे आयोजित संगठन का 24 वां प्रांतीय सम्मेलन एवं प्रदेश कार्य समिति बैठक प्रांताध्यक्ष शलभ भदौरिया की अध्यक्षता मे सम्पन्न होगी जिसमे प्रदेशभर के संगठन से जुडे पत्रकार साथी सैकडो की संख्या मे नीमच पहुंच कर कार्यक्रम मे भाग लेगे। सम्मेलन स्थल दशहरा मैदान टाउनहाल रहेगा।

स्कूलों में उपस्थिति बढ़ाने पर ध्यान दे सरपंच

नीमच, 04 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर श्री दिनेश जैन ने ग्राम कुचडोद के भ्रमण दौरान हाई स्कूल कुचडोद का निरीक्षण किया और कक्षाओं में जाकर, शिक्षकों और विद्यार्थियों की उपस्थिति का जायजा लिया। इस मौके पर एसडीएम डॉ.ममता खेडे भी उपस्थित थी।

कलेक्टर श्री जैन के निरीक्षण दौरान कक्षा में बच्चों की उपस्थिति कम पाई गई और दो शिक्षक उपस्थित पाये गये। प्राचार्य व अन्य शिक्षक अनुपस्थित पाये गये। इस पर कलेक्टर श्री जैन ने सरपंच श्रीमती मंजूबाई से कहा कि वे आंगनवाडी व स्कूल में विद्यार्थियों और शिक्षकों की नियमित उपस्थिति की समय-समय पर जानकारी ले। स्कूल व आंगनवाडी जाकर देखे और प्रयास करें, कि स्कूलों में विद्यार्थी नियमित रूप से स्कूल आएं। यदि विद्यार्थी स्कूल आएंगे, तो परीक्षा परीणाम भी सुधरेगा।

अविवादित एवं फौती नामांतरण एक माह में करना सुनिश्चित करें-जैन

किसान, राजस्व विभाग की सेवाओं को ऑनलाईन प्राप्त करें, कुचडोद एवं बामनबर्डी में कलेक्टर ने सुनी समस्याएं

नीमच, 04 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। फौती एवं अविवादित नामांतरण प्रकरणों का सभी राजस्व अधिकारी एक माह में अनिवार्य रूप से निराकरण सुनिश्चित करें। जमीन एवं रास्ता। संबंधी विवादों का मौका निरीक्षण कर तत्काल निराकरण करवाएं। राजस्व विभाग की भू-अधिकार, ऋण पुस्तिका प्राप्त करने, खसरा बी-वन की नकल प्राप्त करने, खसरा संबंधी सेवाएं ऑनलाईन उपलब्ध है। राजस्व न्यायालयों में प्रकरण ऑनलाईन दर्ज करवाएं जा सकते है। ग्रामीणजन इन सेवाओं को ऑनलाईन प्राप्त करें। यह बात कलेक्टर श्री दिनेश जैन ने गुरूवार को नीमच उपखण्ड के ग्राम बामनबर्डी एवं कुचडौद में आयोजित राजस्व सेवा शिविर में उपस्थित ग्रामीणों और किसानों से संवाद करते हुए कही। इस मौके पर एसडीएम डॉ.ममता खेडे, तहसीलदार श्री पी.एस.पटेल एवं श्री नवीन गर्ग व अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

कलेक्टर श्री दिनेश जैन ने बामनबर्डी एवं कुचडौद के राजस्व सेवा शिविर में ग्रामीणों से फौती नामांतरण अविवादित नामांतरण लंबित होने की जानकारी ली और ग्राम पंचायत से मृतक पंजी और पटवारी से खसरा पंजी लेकर, अवलोकन किया और फौती नामांतरण अविवादित नामांतरण होने का मिलान किया। बामनबर्डी में पंचायत सचिव श्री मदनलाल व्दारा मृतकों की पंजी संधारित नहीं करने, लाडली बहना योजना में कुछ महिलाओं का पंजीयन नहीं करवाने और कार्य के प्रति उदासीनता बरतने पर पंचायत सचिव को निलम्बित करने के निर्देश दिए। साथ ही पटवारी श्री शकील कुरैशी व्दारा भी अविवादित, फौती नामांतरण एक माह में निराकृत नहीं करने पर पटवारी की एक वेतन वृद्धि रोकने के निर्देश भी एसडीएम को दिए। ग्रामीणों व्दारा पेयजल आपूर्ति पर्याप्त नहीं होने की शिकायत पर कलेक्टर ने जनपद सीईओ और तहसीलदार को बामनबर्डी के ग्रामीणों की पेयजल समस्या का त्वरित समाधान करने के निर्देश भी दिए। कलेक्टर ने ग्रामीणों, किसानों से चर्चा कर, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि का लाभ मिलने की जानकारी भी ली। उन्होने एक छात्र निशुक पिता बलराम की समग्र आई बनाने के निर्देश भी पंचायत सचिव को दिए। ग्राम कुचडौद के राजस्व सेवा शिविर में कलेक्टर ने मृत्युं पंजी से मृतकों के नाम का वाचन करवा कर, फौती एवं अविवादित नामांतरण होने की जानकारी ली और ग्रामीणों से लंबित नामांतरण के बारे में पूछा। ग्रामीणों की कुचडौद के मजरा धोकलखेडा और नयागाव मजरा को राजस्व ग्राम घोषित करने की मांग पर कलेक्टर ने एसडीएम को कार्यवाही करने के निर्देश दिए। ग्रामीण ने कुचडौद से अरनिया चुण्डावत तक की प्रधानमंत्री ग्राम सडक की मरम्मत करवाने का भी आगृह कलेक्टर से किया।

पंचायत एवं मंदिर प्रांगण में पौधा रोपण:- कलेक्टर श्री दिनेश जैन ने ग्राम पंचायत कुचडौद के परिसर एवं गांव के श्री हनुमान मंदिर परिसर में पौधा रौपण भी किया और पंचायत सरपंच एवं सचिवों को गांव में 200 पौधे रोपने की तैयारी पूरी कर पौधा रोपण करवाने तथा पौधो की सुरक्षा की व्यवस्था करने के निर्देश भी दिए। इस मौके पर सरपंच श्री विक्रम सिह, बामनबर्डी, सरपंच श्रीमती शांतिबाई, कुचडोद श्री नवलगिर गोस्वामी एवं ग्रामीणजन उपस्थित थे।

चिंतन की धारा को बदलकर जीवन को खुशहाल बनाया जा सकता है- राजयोगी राजू भाई

मंदसौर, 04 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। भारत सोने की चिड़िया था,विश्व गुरु कहलाता था यह आदिकाल से ही देवी देवताओं की भूमि रही भगवान राम, कृष्ण, राधा और लक्ष्मी का यहां वास रहा लेकिन इस देव भूमि पर आज कोई देवता नहीं कहलाता क्योंकि मानव काम, क्रोध ,लोभ ,मोह और अहंकार के वशीभूत हो गया है। मानव का चिंतन व्यर्थ में ज्यादा रहता है इसीलिए विकार उसे घेर रहे हैं।

यह बात मधुबन की बेहद भूमि से ज्ञान के खजाने से भरपुर कर साधको को योग के शिखर पर पहुंचने के लिए भगवान पशुपतिनाथ की पवित्र नगरी मंदसौर पधारें तपस्वी राजयोगी ब्रह्माकुमार राजेंद्र प्रसाद(राजू भाई जी) ने कही। आप मंदसौर के कुशाभाऊठाकरे ऑडिटोरियम में ब्रह्माकुमारी द्वारा आयोजित एक दिवसीय तपस्या भट्ठी को संबोधित कर रहे थे इससे पूर्व तपस्या भट्ठी का दीप प्रज्वलन कर शुभारंभ आत्म कल्याण भवन की संचालिका राज योगिनी उषा दीदी के सानिध्य में पूर्व विधायक यशपाल सिंह सिसोदिया के मुख्य आतिथ्य में हुआ। समारोह में बतौर विशिष्ट अतिथि पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष मदनलाल राठौर, मंदसौर जिला प्रेस क्लब के अध्यक्ष बृजेश जोशी, पत्रकार लोकेश पालीवाल उपस्थित थे। राज योगी राजू भाई जी ने कहा कि भारत देवभूमि है इसकी मूल शक्ति अध्यात्म ही है लेकिन आज हम इसे भूल गए हैं परंतु इस सचाई को हमें स्वीकार करना पड़ेगा कि यदि परमात्मा से कनेक्शन नहीं जोड़ा तो एक तरफ विकास है और एक तरफ विनाश है। तपस्या भट्ठी के प्रारंभ में मंदसौर आत्म कल्याण भवन की संचालिका राजयोगिनी उषा दीदी ने स्वागत उद्बोधन दिया और राजू भाई जी की विशेषताओं के बारे में भी अवगत कराया और कहा कि मंदसौर नगर का सौभाग्य है कि दीदी दादियों की पालना में पले, अपने बाल्य काल से बाबा के घर आकर बाबा की सेवाओं को बढाने वाले, बाबा की मुरली को जन-जन तक पहुंचने वाले, साकार एवं अव्यक्त महा वाक्यों से विशेष ज्ञान रत्नों को चुनकर हम सब की झोली भरने वाले, सदा शांत चित्त एवं एक बाबा की याद और सेवा की लगन में मगन रहने वाले इसे परम तपस्वी कुमार भाईजी का आगमन मन्दसौर में हुआ है। प्रारंभ ब्रह्मकुमारी बहनों ने अतिथियों को तिलक लगाकर और पुष्प कुछ भेंट कर स्वागत किया। समझ में बड़ी संख्या में बीके भाई बहनों के साथ ही गणमान्य जन उपस्थित थे। समारोह का संचालन ब्रह्माकुमारी हेमलता दीदी ने किया।

मुख्यमंत्री आज लाडली बहना योजना की जुलाई माह की राशि अंतरित करेंगें

नीमच, 04 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव आज 5 जुलाई 2024 को शाम 4 बजे जिला टीकमगढ के ग्राम छिपरी से लाडली बहना योजना की माह जुलाई 2024 की राशि, मुख्य मंत्री किसान कल्याण योजना के अंतर्गत वर्ष 2024-25 की प्रथम किश्त, प्रधानमंत्री उज्जवला योजना के एलपीजी गैस कनेक्शनधारी उपभोक्ताओं तथा गैर पीएम उज्जवला योजना श्रेणी में लाडली बहना के हितग्राहियों को माह मार्च 2024 के लिए देय गैस रिफिल अनुदान राशि का सिंगल क्लिक से अंतरण एवं सामाजिक सुरक्षा पेंशन के हितग्राहियों केा माह जून 2024 की किश्ति का अंतरण करेंगे। इस राज्य स्तरीय कार्यक्रम का ग्राम छिपरी से सीधा प्रसारण वेबकास्ट के माध्यम से किया जावेगा। उक्त कार्यक्रम के लिये महिला एवं बाल विकास विभाग नोडल विभाग रहेगा। कार्यक्रम का जिला विकासखण्ड एवं पंचायत स्तर पर भी सीधा प्रसारण किया जावेगा।

खनिज परिवहन करते पाये जाने पर पांच वाहन जप्त

नीमच, 04 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर श्री दिनेश जैन एवं अपर कलेक्टर श्रीमती लक्ष्मी गामड के निर्देशानुसार एवं डिप्टी कलेक्टर डॉ.रश्मि श्रीवास्तव के नेतृत्व में गुरूवार को सहा.खनि अधिकारी श्री गजेन्द्रसिंह डावर एवं खनिज टीम एवं नायब तहसीलदार सलोनी पटवा ने अवैध परिवहन, भण्डारण, उत्खनन के विरूद्ध नीमच एवं जावद क्षेत्र में कार्यवाही की गई है। खनिज रेत, गिट्टी, खण्डा के अवैध परिवहन में संलिप्त पांच वाहनों को मध्यप्रदेश खनिज (अवैध खनन, परिवहन तथा भण्डारण का निवारण) नियम 2022 के तहत जप्त किया गया है। उक्त वाहनों को पुलिस थाना नीमच सिटी, एवं जावद की अभिरक्षा में सुरक्षार्थ खडा किया गया है। इनमें एक ट्रेक्टर ट्राली रेत, दो टेक्टार ट्राली गिट्टी, एक डम्पर गिट्टी का एवं एक ट्रेक्टर ट्राली खण्ड पत्थर की शामिल है।

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लोक निर्माण विभाग, संभाग मंदसौर (म.प्र.)

E-mail-eepwdmandsaur0@gmail.com Ph-07422-255211

निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक 02/2024-25/एसएसी/ मंदसौर दिनांक 28.06.2024

निविदा सूचना

निम्नलिखित कार्यो हेतु निविदायें आमंत्रित की जाती है। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाईट www.mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्रं.	टेण्डर रिफरेन्स क्रमांक	जिला	कार्य का प्रकार	कार्य का नाम	आमंत्रण क्रमांक	ठेके की अनु. राशि (रु. लाख में
1	2	3	4	5	6	7
1	2024_PWDRB_350711_1	मंदसौर	DPF	लोक निर्माण विभाग संभाग मंदसौर के उपसंभाग मंदसौर अंतर्गत विभिन्न मार्गो के सर्वे एवं डीपीआर तैयार करने का कार्य	First	रु.16.93
2	2024_PWDRB_354321_1	मंदसौर	DPF	लोक निर्माण विभाग संभाग मंदसौर के उपसंभाग गरोठ अंतर्गत विभिन्न मार्गो के सर्वे एवं डीपीआर तैयार करने का कार्य	First	रु.16.90
				Total		रु.33.83

उपरोक्त वेबसाईट पर ऑनलाईन भुगतान करने के उपरांत निविदा प्रपत्र (mptenders.gov.in) वेबसाईट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगी। निविदा प्रपत्र क्रय करने एवं प्रस्तुत करने की अंतिम दिनांक 15.07.2024 सायं 17:30 बजे निर्धारित है। विस्तृत एनआईटी एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाईट में देखी जा सकती है। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाईट पर ही किया जाएगा। पृथक से समाचार-पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जाएगा।

(EMD only RTGS/NEFT)

G-12906/24 दो पहिया वाहन पर तीन सवारी ना बैठाएं सतर्क रहें, सुरक्षित रहें। आदित्य सोनी कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग संभाग, मंदसौर

आवश्यकता है

दैनिक **गुरु एक्सप्रेस**

की प्रिंटिंग यूनिट पर रात्रि के समय 11 से 3 बजे तक काम करने वाले युवक (हेल्पर) की आवश्यकता है।

कार्यालय में ऑफिस बॉय की आवश्यकता है।

वेतन योग्यता अनुसार

(मंदसौर निवासी ही सम्पर्क करें)

संपर्क

संपर्क समय- शाम 4 से 6 बजे तक

कार्यालय दैनिक गुरु एक्सप्रेस

9425105928. 8319964648

कार्यालय कृषि उपज मण्डी समिति, मंदसौर, जिला-मंदसौर (म.प्र.)

ई-मेल : kumsmandsaur@ymail.com

क्रमांक/मण्डी/निर्माण/2024-25/493 मंदसौर, दिनांक : 24.06.2024

ऑनलाइन निविदा आमंत्रण सूचना

एतद् द्वारा सर्वसंबंधित पंजीकृत पंजीकृत फर्म/संस्था/एजेंसी को सूचित किया जाता है कि कृषि उपज मंडी समिति मंदसौर के मुख्य मंडी प्रांगण में साफ-सफाई कार्य एवं सब्जी मंडी प्रांगण में कैंटीन संचालन कार्य एवं सुलभ शौचालय कार्यों के संचालन हेतु ई-निविदा प्रणाली के अन्तर्गत ऑनलाइन निविदा दर आमंत्रित की जाती है। जिसका विस्तृत विवरण वेबसाइट **https://mptenders.gov.in/nicgep/app** पर देखा जा सकता है। पंजीकृत ठेकेदारों/एजेंसियों को निम्नानुसार कार्य के लिए ऑनलाइन निविदा प्रस्तुत करना होगी।

क्र.	पोर्टल टेण्डर क्रमांक	कार्य का नाम एवं स्थल	धरोहर राशि रुपये	अधिकतम वार्षिक निविदा दर	निविदा प्रपत्र का मूल्य
1	2	3	4	5	6
1.	2024_MPSAM_352966_1	साफ-सफाई कार्य मुख्य मंडी प्रांगण मंदसौर	200000/-	3677760/-	5000/-
2.	2024_MPSAM_352967_1	कैंटीन संचालन कार्य नवीन फल सब्जी मंडी प्रांगण मंदसौर	100000/-	315000/-	5000/-
3.	2024_MPSAM_352968_1	सुलभ शौचालय/जनसुविधा केन्द्र संचालन कार्य सब्जी मंडी प्रांगण मंदसौर	20000/-	50000/-	1000/-

कॉलम नम्बर 5 में दर्शित अधिकतम/न्यूनतम निविदा दर वार्षिक है। निविदाकार को निविदा प्रस्तुत करते समय उक्त दर का आकलन कर दरें प्रस्तुत करना होंगी तथा जिसकी सबसे उच्चतम/न्यूनतम दर प्राप्त होगी वह मान्य की जावेगी। निविदा प्रपत्र उपरोक्त वेबसाइट पर ऑनलाइन भुगतान कर निविदा दर **दिनांक 26.06.2024 से दिनांक 15.07.2024 तक समय सायं 5.30 बजे तक** क्रय की जा सकती है। ऑनलाइन धरोहर राशि जमा कर ऑनलाइन निविदा दर प्रस्तुत करने की **अंतिम तिथि 15.07.2024 तक समय सायं 5.30 बजे तक** है। धरोहर राशि जमा की ऑनलाइन रसीद एवं निविदा से संबंधित अन्य दस्तावेज के लिफाफे कार्यालय में स्पीड पोस्ट/पंजीकृत डाक द्वारा दिनांक 19.07.2024 को समय सायं 5.30 बजे प्राप्त किये जावेंगे। प्राप्त निविदाएं दिनांक 22.07.2024 को समय दोपहर 3.30 बजे खोले जावेंगे। **नोट :-** उक्त निविदा से संबंधित समस्त संशोधन मात्र उपरोक्त वेबसाइट पर ही जारी किये जावेंगे। इनका पृथक से विज्ञापन प्रकाशित नहीं किया जावेगा।

सचिव, कृषि उपज मण्डी समिति, मंदसौर, जिला- मंदसौर — भारसाधक अधिकारी, कृषि उपज मण्डी समिति, मंदसौर, जिला- मंदसौर

म.प्र. माध्यम/115232/2024

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीडिया एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक- आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 495831, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in